दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

प्रजातंत्र में सर्वशक्तिमान प्रजा

गारंटी पर खरे उतरे मोदी पर फिर जताया भरोसा

विनायक शर्मा

प्रजातंत्र में सबसे बड़ी ताकत प्रजा ही होती है, प्रजा के मायने हैं मतदाता, मत यानी सरकार चुनने का अधिकार। यह वह प्रणाली होती है, जिसमें प्रजा ही राजा यानी शासक का चयन करती है और शासक अधिकार संपन्न होने के बावजूद प्रजा के प्रति उत्तरदायी होता है। हमें गर्व है कि हम उस देश के बाशिंदे हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस देश की जनता ने कई मर्तबा अपने वोट की ताकत का अहसास शासकों को करवाया है, चाहे वह निरंकुश होतीं इंदिरा गांधी हों या लोकशाही के प्रतीक अटल जी हों। इस प्रजा को अगर शासक की तमाम अच्छाइयों के बीच यदि कोई एक भी खामी बुरी लगी हो तो वह अपने वोट की चोट से शासक को यह अहसास करवा देती है कि लोकतंत्र में तो सर्वेसर्वा लोक ही है। ऐसा अजेय कहलाने वाली इंदिरा गांधी, आज तक का रिकॉर्ड बहुमत (400+) लाने वाले राजीव गांधी हो, बोफोर्स के कपोल कल्पित केस के बेस पर पीएम बने वीपी सिंह हों, या गठबंधन सरकार चलाने में बेमिसाल रहे अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह हों। लगातार गठबंधन सरकारें चुनने वाली प्रजा ने जब देखा कि ऐसी सरकारें बेबाक निर्णय नहीं ले पातीं, तो 2014 में फिर नया प्रयोग किया। राजीव की सरकार के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार चुन ली, ताकि जनहित के फैसले तेजी से और बोल्ड हों।

जनता को यह प्रयोग रास आया तो 2019 में फिर पूर्ण बहुमत से चुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली स्थिर और मजबूत सरकार को। विश्वास जताया और उस भरोसे पर मोदी सरकार खरी भी उतरी। अपने बरसों से किए जा रहे बड़े वादे निभाए। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने और राम मंदिर बनाने जैसे बोल्ड डिसीजन लिए। तो, इसका परिणाम सामने हैं। ऐसे उदाहरण लोकतंत्र के इतिहास में कम ही होंगे कि लगातार दो बार पूर्ण बहुमत से चुनी जाने के बाद दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक देश में सरकार एंटी इनकंबेंसी की शिकार नहीं हुई हो। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपने वादों, जिन्हें वो 'मोदी की गारंटी' कहते हैं, खरे उतरने का माद्दा ही है कि यह कहावत बन गई कि "आएगा तो मोदी ही", और विपक्ष की एकजुटता पर लगते सवालिया निशानों ने इस सियासी कहावत को और मजबूत बना दिया। ऐसा नहीं कि मतदाताओं ने मोदी सरकार को पहली दो बार की तरह प्रचंड बहुमत से नवाजा हो, फिर भी मोदी के भाजपा नीत गठबंधन पर भरोसा तो रखा ही, तभी तो इस एलाइंस को जादुई आंकड़े से पार बहुमत प्रदान कर दिया है।

मोदी सरकार को 'मोदी की गारंटी' का फायदा किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना के साथ ही जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, मिशन स्वच्छ, भारत सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी 26 योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन पर मिला है। दूसरी तरफ, विपक्ष की एकता पर हमेशा सवालिया निशान ही लगा रहा... विपक्षी दलों की खुद की ही टूट या कई विपक्षी नेताओं का भाजपा में शामिल होने के कारण ये जनता का भरोसा नहीं जीत पाए। एक और प्रमुख तथ्य यह उभर कर सामने आया कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन में सभी दल चुनाव पूर्व एकजुट हुए, जबकि अब परिणाम आने के बाद विपक्ष सत्ता हासिल करने की जुगत भिड़ाने लगे हैं। यह भी विपक्ष की ही कमजोरी को दर्शाता है। लब्बो लुआब यह कि जनता ने एक बार फिर भाजपा नीत एनडीए पर भरोसा जता दिया है, यानी शेष बची गारंटियां पूरी करने के लिए पीएम मोदी के नाम पर मुहर लगा दी है, अब फर्ज सरकार का कि वह खरी उतरे।

जीते

नाम	सीट	पार्टी
नरेंद्र मोदी	वाराणसी	बीजेपी
अमित शाह	गांधीनगर	बीजेपी
शिवराज सिंह	विदिशा	बीजेपी
राहुल गांधी	वायनाड/ रायबरेली	कांग्रेस
शत्रुघ्न सिन्हा	आसनसोल (प. बंगाल)	तृणमूल कांग्रेस
कंगना रनौत	मंडी	बीजेपी

हारे

नाम	सीट	पार्टी
स्मृति ईरानी	अमेठी	बीजेपी
मेनका गांधी	सुल्तानपुर	बीजेपी
सीपी जोशी	भीलवाड़ा	कांग्रेस
राज बब्बर	गुरुग्राम	कांग्रेस
अधीर रंजन	बहरामपुर	कांग्रेस
वैभव गहलोत	जालोर	कांग्रेस

18 वीं लोकसभा

कई प्रत्याशियों की जीत ने चौंकाया, कई दिग्गज हारे

जनता ने फिर दिया बहुमत... हैट्रिक NDA सरकार की!

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

देश में 18 वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम मंगलवार को चौंकाने वाले रहे, खासकर एग्जिट पोल और सट्टा बाजार पर भरोसा करने वालों के लिए तो रहे ही। हालांकि, जनता ने लोकतंत्र के इस सबसे बड़े त्योहार में सत्ता का तोहफा एक बार फिर बहुमत के पार सीटें प्रदान कर भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को सौंपा है। इस चुनाव में कई दिग्गज उम्मीदवारों को हार का मुंह देखना पड़ा तो कइयों की स्थिति नाजुक होने के बावजूद वे अपनी सीट बचाने में कामयाब हो गए। कई रोचक परिणाम इस बार के लोकसभा में देखने को मिले। सबसे ज्यादा दिलचस्प मुकाबला सबसे बड़े प्रदेश यूपी में देखने को मिला। यहां अमेठी सीट से भाजपा की दिग्गज केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को कांग्रेस के सामान्य उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा ने एक लाख से ज्यादा वोटों से हरा दिया। उधर, हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से भाजपा की उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत पहली बार लड़ीं और कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रमादित्य को हराने में कामयाब रहीं। वहीं, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली सीट से कांग्रेस के कन्हैया कुमार भाजपा के मनोज तिवारी से हार गए।

एनडीए गठबंधन-290 इंडिया गठबंधन-235

UP में सपा-कांग्रेस को 43 सीट

विपक्षी गठबंधन के हाथों सत्तारूढ़ एनडीए को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा। जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में 62 सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी इस बार करीब तीन दर्जन सीटों पर अटक गई। वहीं, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की जोड़ी 43 सीटों तक पहुंच गई।

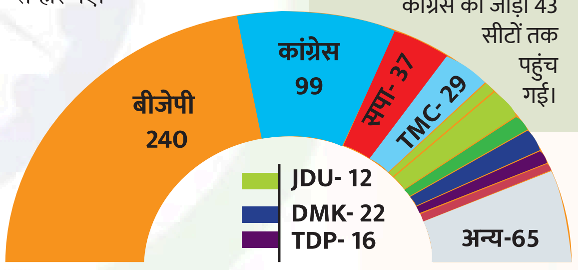

ये पार्टियां दें साथ सरकार उसी की

चुनाव परिणामों में ममता बनर्जी और जेडीयू और टीडीपी ने खेला किया। इनकी सीटें अच्छी सीटें आई है। अगर ये तीनों पार्टियां जहां होगी। उसी पार्टी को सरकार बनाने में मजबूती मिलेगी। चुनाव में टीएमसी की 31 सीटें आई है। बता दें कि जब कांग्रेस की अगुआई में इंडिया ब्लॉक बना था, तब ममता बनर्जी इसकी बैठक में शामिल हुई थीं। उन्होंने ही इंडिया के संयोजक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम सुझाया था। हालांकि बंगाल में सीट शेयरिंग के मुद्दे पर तृणमूल और कांग्रेस के बीच सहमति नहीं बन पाई और दोनों ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया।

राजस्थान: ये रहे विजयी

नाम	सीट
लुम्बाराम चौधरी	जालोर
पीपी चौधरी	पाली
मन्नालाल रावत	उदयपुर
भागीरथ चौधरी	अजमेर
दुष्यंत सिंह	झालावाड़-बारां
ओम बिरला	कोटा
सीपी जोशी	चित्तौड़गढ़
राजकुमार रोत (बीएपी)	बांसवाड़ा
दामोदर अग्रवाल	भीलवाड़ा
उमेदाराम बेनीवाल	बाड़मेर
गजेंद्र सिंह शेखावत	जोधपुर
हरीश चंद मीणा	टोंक-सवाई माधोपुर
अर्जुनराम मेघवाल	बीकानेर
भूपेंद्र यादव	अलवर
बृजेंद्र ओला	झुंझुनूं
महिमा कुमारी	राजसमंद
राहुल कस्वां	चूरू
कुलदीप इंदौरा	श्रीगंगानगर
संजना जाटव	भरतपुर
मुरारीलाल मीणा	दौसा
भजनलाल जाटव	करौली-धौलपुर
अमराराम (इंडिया गठबंधन) (सीपीएम)	सीकर
हनुमान बेनीवाल (आरएलपी)	नागौर

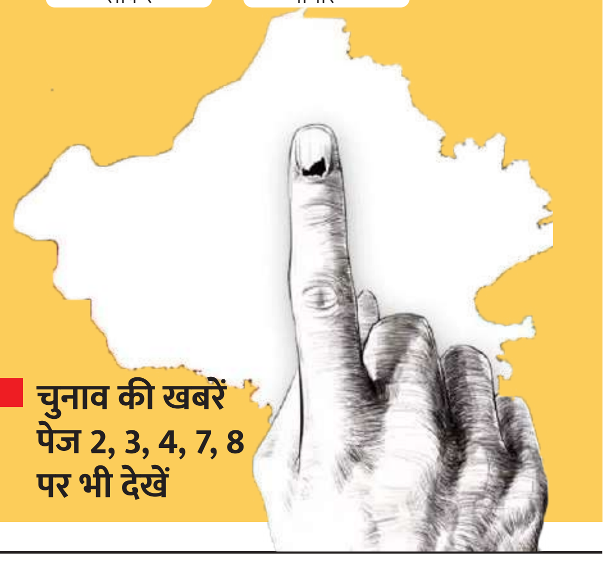

चुनाव की खबरें पेज 2, 3, 4, 7, 8 पर भी देखें

चुनाव परिणाम का असर

शेयर बाजार में हाहाकार, 45 लाख करोड़ रुपए डूबे

- लोकसभा के चुनावी परिणाम के बीच मंगलवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट हुई
- सेंसेक्स और निफ्टी करीब 6-6% तक की गिरावट
- RVNL, भेल, पीएफसी सहित कई सरकारी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट

बेधड़क | मुंबई

लोकसभा के चुनावी परिणाम के बीच मंगलवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी करीब 6-6% तक की गिरावट के साथ बंद हुए हैं। पिछले 4 सालों में एक दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पूर्व मार्च 2020 में ऐसे ही बाजार टूटा था। पीएसयू की बात करें तो भेल, रेल विकास निगम, REC और पीएफसी के शेयरों में 25 पर्सेंट तक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, अडाणी ग्रुप की कंपनियों में अडानी पोर्ट्स के शेयर 21 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए हैं।

इन शेयरों में दिखी तेजी

हिन्दुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, टीसीएस, एशियन पेंट्स, सनफार्मा के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। इन्हीं 5 कंपनियों को छोड़कर सेंसेक्स की सभी टॉप 30 कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। एनटीपीसी, एसबीआई के शेयरों में 14 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है। 30 संवेदी सूचकांक वाला सेंसेक्स 5.74 प्रतिशत या 4389.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,079.05 बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 5.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,884.50 पर बंद हुआ है।

गिरावट 4000 के पार

ये गिरावट एक बार फिर 4000 के पार हो गई है। अभी यह 4358 अंकों के नुकसान के साथ 72110 पर है। एनटीपीसी 15.23% से सबसे बड़ा लूजर है।

2019 में 0.7% ही हुई थी गिरावट

चुनावी परिणाम के दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स और निफ्टी में 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते मंगलवार को निवेशकों के 45 लाख करोड़ रुपए डूब गए हैं। बता दें, मार्च 2020 के बाद शेयर बाजार में किसी की यह सबसे बड़ी गिरावट है। 6 बार में 2 बार ही रिजल्ट के दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है। 23 मई 2019 को सेंसेक्स 0.7 प्रतिशत लुढ़क गया था।

राजस्थान के चुनाव परिणामों ने चौंकाया

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में आए लोकसभा चुनाव के परिणाम ने कई सीटों पर चौंकाया है। यहां हॉट सीटों के नतीजों ने सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। पूर्वी राजस्थान, शेखावाटी और नहरी क्षेत्र में बीजेपी ने अपना आधार खो दिया है। इसी प्रकार भाग्य आजमाने वाले 4 केंद्रीय मंत्रियों में से एक कैलाश चौधरी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। वे तीसरे नंबर पर रहे। मोदी कैबिनेट में रहे दो दिग्गज अर्जुन राम मेघवाल और गजेंद्र सिंह शेखावत चुनाव तो जीत गए लेकिन कोई बड़ा मार्जिन हासिल नहीं कर पाए। कोटा की चर्चित सीट पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बीजेपी से कांग्रेस में आए प्रहलाद गुंजल को हराया, लेकिन इस सीट पर कांटे का मुकाबला रहा। कुल मिलाकर ये नतीजे दोनों ही दलों के लिए राजनीति का नया सबक लेकर आए हैं। वहीं, जयपुर (शहर व ग्रामीण) की दोनों सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने बाजी मारी।

(जयपुर की लोकसभा सीटों के लिए पेज 03 देखें)

भारतीय जनता पार्टी को 14 तो कांग्रेस गठबंधन के खाते में 11 सीट आईं

जालौर

लुम्बाराम चौधरी — प्राप्त मत:796783
वैभव गहलोत — प्राप्त मत:595240
वोटों का अंतर: 201543

पाली

पी पी चौधरी — प्राप्त मत:750568
संगीता बेनीवाल — प्राप्त मत:505754
वोटों का अंतर: 244814

उदयपुर

मन्नालाल रावत — प्राप्त मत:738286
ताराचंद मीणा — प्राप्त मत:476678
वोटों का अंतर: 261608

अजमेर

भागीरथ चौधरी — प्राप्त मत:747462
रामचंद्र चौधरी — प्राप्त मत:417471
वोटों का अंतर: 329991

झालावाड़ बारां

दुष्यंत सिंह — प्राप्त मत:865376
उर्मिला जैन भाया — प्राप्त मत:494387
वोटों का अंतर:370989

कोटा

ओम बिरला — प्राप्त मत:750496
प्रहलाद गुंजल — प्राप्त मत708522
वोटों का अंतर: 41974

चित्तौड़गढ़

सीपी जोशी — प्राप्त मत:888202
उदयलाल आंजना — प्राप्त मत:498325
वोटों का अंतर: 389877

बांसवाड़ा

राजकुमार रोत — प्राप्त मत:820831
महेंद्रजीत मालवीय — प्राप्त मत:573777
वोटों का अंतर: 247054

भीलवाड़ा

दामोदर अग्रवाल — प्राप्त मत:807640
सीपी जोशी — प्राप्त मत:453034
वोटों का अंतर: 354606

बाड़मेर-जैसलमेर

उमेदाराम बेनीवाल — प्राप्त मत:699122
रवीन्द्र सिंह भाटी — प्राप्त मत:581865
वोटों का अंतर: 117257

जोधपुर

गजेंद्र सिंह शेखावत — प्राप्त मत:722978
करण सिंह उचियारड़ा — प्राप्त मत:608228
वोटों का अंतर: 114750

टोंक-सवाई माधोपुर

हरीश चंद मीणा — प्राप्त मत:623763
सुखबीर सिंह जौनपुरिया — प्राप्त मत:558814
वोटों का अंतर: 64949

बीकानेर

अर्जुनराम मेघवाल — प्राप्त मत:566737
गोविंदराम मेघवाल — प्राप्त मत:511026
वोटों का अंतर: 55711

अलवर

भूपेंद्र यादव — प्राप्त मत:631992
ललित यादव — प्राप्त मत:583710
वोटों का अंतर: 48282

झुंझुनूं

बृजेंद्र ओला — प्राप्त मत:541203
शुभकरण चौधरी — प्राप्त मत:523669
वोटों का अंतर: 17534

राजसमंद

महिमा कुमारी — प्राप्त मत:781203
दामोदर गुर्जर — प्राप्त मत:388980
वोटों का अंतर: 392223

चूरू

राहुल कस्वां — प्राप्त मत:728211
देवेंद्र झाझड़िया — प्राप्त मत: 655474
वोटों का अंतर: 72737

श्रीगंगानगर

कुलदीप इंदौरा — प्राप्त मत:719896
प्रियंका बैलान — प्राप्त मत:632097
वोटों का अंतर: 87799

भरतपुर

संजना जाटव — प्राप्त मत:579890
रामस्वरूप कोली — प्राप्त मत:527907
वोटों का अंतर: 51983

दौसा

मुरारीलाल मीणा — प्राप्त मत:646266
कन्हैयालाल मीणा — प्राप्त मत:408926
वोटों का अंतर: 237340

करौली धौलपुर

भजनलाल जाटव — प्राप्त मत:530011
इंदु देवी जाटव — प्राप्त मत:431066
वोटों का अंतर: 98945

सीकर

अमराराम (इंडिया गठबंधन) — प्राप्त मत:659300
स्वामी सुमेधानंद सरस्वती — प्राप्त मत:586404
वोटों का अंतर:72896

नागौर

हनुमान बेनीवाल — प्राप्त मत:591460
डॉ. ज्योति मिर्धा — प्राप्त मत:550304
वोटों का अंतर: 41156

एनालिसिस

एनडीए के क्लीन स्वीप पर ब्रेक: कांग्रेस का एक दशक बाद खुला खाता

- इंडिया गठबंधन के 11 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की
- भाजपा को 14 सीटें मिली, प्रदेश की सबसे बड़ी जीत: राजसमंद से भाजपा की महिमा विश्वराज कुमारी 3 लाख 90 हजार वोटों से जीती
- डूंगरपुर- बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी राजकुमार रोत जीते

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर हुई वोटिंग के बाद आए परिणाम में भाजपा को इस बार 14 सीटों पर जीत के साथ संतोष करना पड़ेगा। खास बात रही कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऐतिहासिक मिथक को तोड़ते हुए स्पीकर रहते हुए जीत को कायम रखा है।

इसके पहले या तो लोकसभा अध्यक्ष रहे सांसदों को टिकट नहीं मिली या फिर वे चुनाव हार गए थे। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल और भूपेन्द्र यादव भी चुनाव जीतने में कामयाब रहे, जबकि कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी को बाड़मेर से शिकस्त का सामना करना पड़ा। जयपुर शहर से बीजेपी की मंजू शर्मा, राजसमंद से महिमा कुमारी, उदयपुर से मन्नालाल रावत, चित्तौड़गढ़ से बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पाली से पीपी चौधरी, जालोर से लुंबाराम चौधरी, झालावाड़ से पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र दुष्यंत सिंह, भीलवाड़ा से दामोदर अग्रवाल और अजमेर से भागीरथ चौधरी ने जीत प्राप्त की है।

इसके अलावा बेहद करीबी और रोचक मुकाबले में जयपुर ग्रामीण से राव राजेन्द्र सिंह ने कांग्रेस के अनिल चौपड़ा को मात दी। वहीं, बाड़मेर-जैसलमेर से उम्मेदाराम व अलवर सीट भूपेंद्र यादव ने जीत दर्ज की है।

पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस का कमाल

प्रदेश में कांग्रेस ने एक दशक का सूखा खत्म किया और पार्टी ने पूर्वी राजस्थान में शानदार प्रदर्शन किया। यहां भरतपुर से संजना जाटव, धौलपुर से भजनलाल जाटव, टोंक से हरीश मीणा और दौसा से मुरारीलाल मीणा जीते। पश्चिमी राजस्थान की प्रमुख और प्रदेश की हॉट सीट बाड़मेर से उम्मेदाराम बेनीवाल ने जीत हासिल की। वहीं, शेखावाटी के झुंझुनू से बृजेन्द्र ओला और चूरू से राहुल कस्वां जीते हैं। जबकि सीकर में गठबंधन को सीट मिली है। इसी तरह श्रीगंगानगर से कुलदीप इंदौरा ने जीत हासिल की। हालांकि, जालोर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव हार गए। उन्हें पिछले चुनाव में जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत ने हराया था।

गठबंधन ने चौंकाया

राजस्थान की 25 सीटों पर लड़ रहे इंडिया गठबंधन के तहत 22 सीटों पर जहां कांग्रेस ने मुकाबला किया, वहां उन्हें आठ सीटों पर जीत हासिल हुई। इसी तरह सीकर में माकपा के साथ हुए गठबंधन के प्रत्याशी अमराराम जीते तो राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल ने नागौर में विजय प्राप्त की। वागड़ के आदिवासी अंचल में भारतीय आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत ने भी जीत हासिल की है।

दिग्गजों का प्रदर्शन...

- ओम बिरला : लोकसभा स्पीकर रहते हुए की जीत दर्ज, तीसरी बार जीते।
- बीकानेर से चौथी बार जीते भाजपा के 'अर्जुन राम मेघवाल
- झालावाड से भाजपा के दुष्यंत सिंह ने लगातार 5वीं जीत दर्ज की
- चित्तोड़गढ़ से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी जीते
- ...और, हार कर चौंकाया
- सीकर से भाजपा के स्वामी सुमेधानंद सरस्वती हारे
- दौसा से भाजपा के कन्हैयालाल मीणा हारे
- इसी प्रकार कांग्रेस से पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत चुनाव हारे।

लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

जयपुर और जयपुर ग्रामीण में भगवा परचम

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जयपुर और जयपुर ग्रामीण सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। जयपुर लोकसभा सीट पर जहां पार्टी ने तीसरी बार चुनाव जीतकर विजय की हैट्रिक मारी है, वहीं जयपुर ग्रामीण में भी दूसरी बार जीत दर्ज की है।

शहर में भाजपा की विजयी तिकड़ी, 3 लाख मतों से जीती मंजू शर्मा

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में भाजपा ने हैट्रिक लगाते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कांग्रेस के प्रताप सिंह खाचरियावास को 3 लाख 31 हजार 767 वोटों से करारी शिकस्त दी है। मंजू शर्मा को पोस्टल बैलट 8207 वोट मिले तो प्रताप सिंह खाचरियावास को 5659 मत हासिल हुए। साथ ही 11 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। हालांकि, मंजू शर्मा को हवामहल, किशनपोल और आदर्श नगर विधानसभा से बहुमत नहीं मिल पाया, जिसका ठीकरा प्रताप सिंह खाचरियावास के सिर फोड़ते हुए मंजू शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता इन क्षेत्रों में पलायन करवा रहे हैं और दूसरे लोगों को वहां लाकर बसा रहे हैं। जयपुर शहर सीट पर भाजपा ने एक बार फिर से परचम लहराया है। यहां भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। हालांकि, 2019 की तुलना में इस बार जीत का अंतर कम रहा। 2019 में रामचरण बोहरा को 9 लाख 24 हजार वोट मिले थे और उनकी जीत का मार्जिन 4 लाख 30,000 वोटों का था।

जयपुर शहर के पिछले नतीजों पर नजर डाले तो यहां जीत का अंतर कभी बड़ा तो कभी कमतर रहा है। 1989 के बाद भाजपा 8 बार, जबकि कांग्रेस एक बार जीती है। 2019 में कांग्रेस को सिर्फ आदर्श नगर से बहुमत मिला था। इस बार आदर्श नगर के साथ-साथ हवामहल और किशनपोल से भी कांग्रेस को बढ़त मिली।

मोदी के विजन व कार्यकताओं की मेहनत की जीत है: मंजू शर्मा

जीत के बाद मंजू शर्मा ने कहा कि ये पीएम मोदी के विजन व कार्यकताओं की मेहनत की जीत है। शर्मा ने कहा यदि मतदान प्रतिशत बढ़ता तो बेशक जीत और बड़ी होती। लेकिन अब शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता की दृष्टि से जयपुर को नंबर वन बनाना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। यहां के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले और जयपुर को टेक्नो हब के रूप में विकसित कर यहां के युवा को आगे बढ़ाना ही उनका एक मात्र मकसद है। उन्होंने कहा कि वो चाहती हैं कि क्षेत्र के युवा यही कमाए और अपने परिवार के साथ रहे। साथ ही जयपुर की महिलाएं, बालिकाएं और युवतियां सभी को सुरक्षा देना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

इस बार भी भाजपा को मिली बड़ी जीत

मंजू शर्मा खुद परकोटा क्षेत्र में ही पली-बढ़ी है। इस पर मंजू शर्मा ने कहा कि परकोटा वासियों ने उन्हें भुलाया नहीं है। उल्लेखनीय है कि गिरधारी लाल भार्गव यहां से लोकसभा सदस्य चुने गए। हालांकि, उनके निधन के बाद कांग्रेस ने यहां साल 2009 में भाजपा के विजय रथ को रोक दिया था और डॉ. महेश जोशी सांसद चुने गए थे। उसके बाद 2014 और 2019 में एक बार फिर से भाजपा के रामचरण बोहरा यहां से सांसद चुने गए। इस बार 2024 में भी भाजपा को यहां बड़ी जीत मिली है।

ग्रामीण में भी जीती सीट, राव राजेंद्र सिंह ने अनिल चोपड़ा को हराया

बेधड़क | जयपुर

जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर भाजपा के राव राजेंद्र सिंह करीब 1615 मतों से चुनाव जीत गए हैं। यहां नतीजों को लेकर विवाद होने से काफी देर तक चुनाव परिणाम रुका रहा। कांग्रेस प्रत्याशी ने पोस्टल बैलेट के मतों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दोबारा काउंटिंग की मांग की, लेकिन उनकी मांग खारिज कर दी गई थी। केवल आंकड़ों को दोबारा से जोड़ा गया था। जयपुर शहर लोकसभा सीट के 8 विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह को झोटवाड़ा और फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से बढ़त मिली, जबकि अनिल चोपड़ा को विराट नगर, कोटपूतली, आमेर, शाहपुरा, जमवारामगढ़ और बानसूर विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली। जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट के लिए कॉमर्स कॉलेज में 106 टेबल पर 161 राउंड में 2 हजार 128 ईवीएम और 50 टेबल पर डाक मतपत्र की मतगणना हुई। इस सीट पर कुल 57.67% मतदान हुआ था। जयपुर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र 2008 में अस्तित्व में आया। कोटपुतली, विराटनगर, शाहपुरा, फुलेरा, झोटवाड़ा, आमेर, जमवारामगढ़, बानसूर इसके आठ विधानसभा क्षेत्र हैं। 2009 में यहां पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ था, जिसमें कांग्रेस के लाल चंद कटारिया विजयी हुए थे। जयपुर ग्रामीण की दिल्ली से दूरी करीब 268 किलोमीटर है।

ऐसा था पिछले चुनावों का मतदान प्रतिशत

2024 के चुनाव में जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर 57.65 प्रतिशत मतदान हुआ। यह मतदान 2019 में हुए मतदान से 7.08 फीसदी कम है। 2019 में जयपुर ग्रामीण में 64.73 प्रतिशत मतदान हुआ था। जयपुर ग्रामीण सीट पर अब तक तीन चुनाव हुए हैं, जिनमें दो बार (2014 और 2019 में) भाजपा के कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ लोकसभा सांसद चुने गए। एक बार 2009 में कांग्रेस के लालचंद कटारिया सांसद चुने गए थे जो अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

2019 और 2014 में अच्छे वोट अंतर से जीत दर्ज कर चुकी बीजेपी

विगत दो चुनावों में भाजपा अच्छे वोट अंतर से चुनाव जीत चुकी है। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा के कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस की कृष्णा पूनिया को 3,93,171 मतों से पराजित किया जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव में कर्नल राज्यवर्धन सिंह ने कांग्रेस के डॉ. सीपी जोशी को 3,32,896 मतों से हराया था। इससे पहले जब 2009 में कांग्रेस के लालचंद कटारिया चुनाव जीते थे। तब जीत का अंतर महज 52,237 का ही था। उन दिनों कटारिया ने राव राजेंद्र सिंह को हराया था जिन्हें 2024 के चुनाव में भाजपा ने फिर से प्रत्याशी बनाया।

कांग्रेस प्रत्याशी ने लगाया पोस्टल बैलेट के मतों में गड़बड़ी का आरोप

रीकाउंटिंग के लिए धरने पर बैठे चोपड़ा, कहा-हमें परिणाम मंजूर नहीं

बेधड़क | जयपुर

जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर भाजपा के राव राजेंद्र सिंह करीब 1615 मतों से चुनाव जीत गए, लेकिन यहां नतीजों को लेकर विवाद होने से काफी देर तक चुनाव परिणाम रुका रहा। कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने पोस्टल बैलेट के मतों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दोबारा काउंटिंग की मांग की और रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में धरने पर बैठ गए। राव राजेंद्र की जीत घोषित होने के बाद चोपड़ा मतगणना केंद्र से बाहर आ गए। अनिल चोपड़ा ने मतगणना केंद्र के बाहर अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने अपने समर्थकों से संयम बरतने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमें जनता ने आशीर्वाद दिया, जिसके कारण हमें 6 लाख से ज्यादा वोट मिले हैं। हमें यह परिणाम 1 प्रतिशत भी स्वीकार नहीं है। प्रशासन के लोगों ने हमारे साथ कुठाराघात किया है। 4 घंटे तक इन लोगों ने आपस में कानाफूसी करके इस चुनाव परिणाम को प्रभावित करने का काम किया है।

डोटासरा को नहीं जाने दिया अंदर

इससे पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और शाहपुरा विधायक मनीष यादव कॉमर्स कॉलेज पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने दोनों को ही अंदर नहीं जाने दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक जेएलएन मार्ग पर प्रदर्शन करने लगे। कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया, रामनिवास गावड़िया और विद्याधर चौधरी भी कॉमर्स कॉलेज पहुंचे। यहां एंट्री को लेकर उनकी पुलिस से बहस हुई।

दोबारा काउंटिंग की मांग

पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में री-काउंटिंग की मांग को लेकर ट्वीट किया है। अशोक गहलोत ने पायलट के ट्वीट को री-ट्वीट कर दोबारा मतगणना की मांग की है।

दो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त

जयपुर शहर लोकसभा सीट के 8 विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह को झोटवाड़ा और फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से बढ़त मिली, जबकि अनिल चोपड़ा को विराट नगर, कोटपूतली, आमेर, शाहपुरा, जमवारामगढ़ और बानसूर विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली।

विधानसभा क्षेत्र	अनिल चोपड़ा (कांग्रेस)	राव राजेंद्र सिंह (भाजपा)
कोटपूतली	68195 वोट मिले	50169 वोट मिले
विराटनगर	62515 वोट मिले	59869 वोट मिले
शाहपुरा	78446 वोट मिले	55227 वोट मिले
फुलेरा	74520 वोट मिले	78221 वोट मिले
झोटवाड़ा	89603 वोट मिले	170377 वोट मिले
आमेर	87921 वोट मिले	82996 वोट मिले
जमवारामगढ़	74560 वोट मिले	55975 वोट मिले
बानसूर	66533 वोट मिले	55355 वोट मिले
पोस्टल बैलेट	13969 वोट मिले	9688 वोट मिले
कुल	616262 वोट मिले	617877 वोट मिले

जरूरी खबर

फंदा लगाकर उपसरपंच के पति ने की आत्महत्या

मोहनगढ। कस्बे की आरसीपी कॉलोनी के पास बबूल के पेड़ से रस्सी से फंदा लगाकर ग्राम पंचायत मोहनगढ की उपसरपंच के पति ने आत्महत्या कर ली। सुबह जीवनराम (35) पुत्र मुल्तानाराम मेघवाल निवासी मोहनगढ का शव पेड़ पर झूलता राहगीरों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस थानाधिकारी प्रेमप्रकाश मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। शव को उतरवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया।

ग्राम पंचायत सकानी में रात्रि चौपाल 7 जून को

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने माह जून 2024 की जिले की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर होने वाली रात्रि चौपाल का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार 7 जून को शाम 7 बजे पंचायत समिति आसपुर की ग्राम पंचायत सकानी के राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, सकानी में रात्रि चौपाल आयोजित की जाएगी। संबंधित विकास अधिकारी को यदि चौपाल स्थल राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय गांव से दूर अथवा असुविधाजनक हो तो अपने स्तर से उचित स्थल का चयन कर जिला कलक्टर कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली-बांद्रा टर्मिनस की चलेगी स्पेशल रेलसेवा

जयपुर। रेलवे की ओर से गर्मियों की छुटियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली-बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली (01 ट्रिप) स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 04005, दिल्ली-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रेलसेवा 4 जून रवाना होकर दिल्ली से 23.50 बजे रवाना होकर 06 जून को मध्य रात्रि 01.55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04006, बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली स्पेशल रेलसेवा 6 जून को बांद्रा टर्मिनस से 04.00 बजे रवाना होकर अगले दिन 06.00 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

नागौर लोकसभा सीट पर रालोपा के उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल जीते

संसद: हनुमान ने फिर भरी उड़ान, ज्योति को मिली शिकस्त

बेधड़क | नागौर

लोकसभा चुनाव में नागौर सीट पर चुनाव परिणाम फिर बार दिलचस्प रहे। इंडिया गठबंधन और रालोपा के उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल ने चुनाव जीत गए। हनुमान ने बीजेपी प्रत्याशी ज्योति मिर्धा को 41215 मतों से हराया। बेनीवाल दूसरी बार लोकसभा सांसद बन गए हैं। वहीं वर्तमान में खींवसर से विधायक भी है। इस तरह हनुमान दूसरी बार नागौर से संसद के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार है। वहीं ज्योति मिर्धा हार के बाद खामोश है। बता दें कि नागौर सीट प्रदेश की अन्य सीटों की तरह हॉटसीट रही।

लोकसभा में फिर गूंजेगी बेनीवाल की आवाज

बेनीवाल लगातार दूसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं। अब एक बार फिर लोकसभा में बेनीवाल की दहाड़ गूंजेगी। पिछले कार्यकाल के दौरान बेनीवाल 3 साल तक भाजपा के साथ रहे, लेकिन बाद में केंद्र सरकार की ओर से तीन कृषि कानून लाए जाने के बाद भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया था। इस बार लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के साथ कांग्रेस ने गठबंधन कर लिया था। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कांग्रेस के कई विधायकों ने बेनीवाल के समर्थन में प्रचार-प्रसार किया था।

वोटों से भर दिया मायरा: बेनीवाल

मायरा शब्द के सवाल पर हनुमान बेनीवाल ने कहा कि अभी वोटों से मायरा भर दिया और जब उनके परिवार में काम होगा, तो नोटों से भी मायरा भर देंगे। बेनीवाल ने सीएम भजनलाल शर्मा पर तंज कसते हुए कहा कि ये पहले पार्टी कार्यालय में खाने की व्यवस्था देखते थे। मैंने पहले भी कहा था कि चुनाव परिणाम के बाद उन्हें वहीं काम करना है।

चौथी बार फिर हारी ज्योति मिर्धा

ज्योति मिर्धा की यह लगातार चौथी हार है। मिर्धा पूर्व में कांग्रेस के टिकट पर वर्ष 2009 में लोकसभा सांसद बनी थीं। इसके बाद वर्ष 2014 के चुनाव में मोदी लहर में मिर्धा भाजपा के सीआर चौधरी से हार गई थी। वर्ष 2019 के चुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशी रही ज्योति मिर्धा हनुमान बेनीवाल के सामने चुनाव हार गई थी। हाल ही में वे कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गई। बीजेपी ने मिर्धा को नागौर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाया, लेकिन वे कांग्रेस प्रत्याशी से हार गईं। इस बार वे भाजपा की तरफ से लड़ीं, लेकिन एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा।

प्रत्याशियों की जीत पर समर्थकों ने बांटी मिठाई, गूंजे विजय के नारे

मतगणना में दिखे नजारे, कहीं मिली खुशियां तो कहीं मायूसी

प्रदेशभर में लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर मंगलवार को अलग ही नजारा देखा गया। सुबह आठ बजे से मतगणना केंद्रों पर गिनती शुरू हो गई। पहले पोस्टल बैलेट पेपरों की गिनती हुई, उसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू हुई। इस दौरान विधानसभावार वोटों की गिनती की गई। जैसे-जैसे परिणाम आए वैसे-वैसे प्रत्याशियों ने अपने पक्ष में आने पर खुशी जाहिर की तो विपरीत जाने पर मायूसी जाहिर की। इस दौरान मतगणना स्थल के बाहर परिणाम सुनने के लिए समर्थकों की भीड़ दिखाई दी। शाम को अंतिम परिणाम आने पर खुशी मनाने के साथ-साथ चुनाव कार्यालयों पर मिठाई बांटनें का सिलसिला जारी रहा वहीं परिणाम के हिसाब से भाजपा को चौदह, कांग्रेस को आठ, माकपा को एक, आरएलटीपी को एक, भारतीय आदिवासी पार्टी को एक सीटें मिली।

जोधपुर। जोधुपर लोकसभा सीट पर भाजपा के गजेंद्रसिंह शेखावत ने एक बार फिर से जीत दर्ज की है। शेखावत यहां से तीसरी बार जीते हैं। शेखावत ने कांग्रेस के करणसिंह उचियारड़ा को 1.14 हजार वोटों से हराया है। 2019 लोकसभा चुनाव के परिणामों को देखें तो गजेंद्रसिंह शेखावत के जीत का आंकड़ा काफी कम हुआ है। पिछले चुनाव में शेखावत की जीत का आंकड़ा 2 लाख 74 हजार रहा था। वहीं शेखावत इस बार 7 लाख 30 हजार 56 वोट हासिल किए।

अजमेर। अजमेर लोकसभा चुनाव सीट से भाजपा के भागीरथ चौधरी 3 लाख 29 हजार 991 से जीत गए है। उन्होंने कांग्रेस के रामचन्द्र चौधरी को हराया। उनको 7 लाख 41 हजार 151 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी दूसरे नंबर पर रहे और उनको 4 लाख 13 हजार 685 मत मिले। पोस्टल बैलेट में भागीरथ चौधरी को 6311 मत मिले। जबकि रामचन्द्र चौधरी को 3786 मत मिले है। भागीरथ चौधरी पिछली बार 4 लाख 16 हजार 424 वोट से जीते थे। इस बार ये जीत का अन्तर कम रहा। अजमेर में 19 लाख 95 हजार 699 वोटर में से 11 लाख 90 हजार 439 ने मतदान किया था, जो 59.65% था।

पाली। पाली लोकसभा सीट पर भाजपा के पीपी चौधरी ने जीत हासिल की है। चौधरी ने कांग्रेस की संगीता बेनीवाल को 2 लाख 45 हजार से ज्यादा वोट से हराया। पीपी चौधरी की जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। काउंटिंग को लेकर शहर से भी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता वहां गए हैं। उपखंड के कई गांवों में भी लोग काउंटिंग शुरू होते ही टीवी और मोबाइल पर अपडेट लेते दिखे।

बीकानेर। लोकसभा सीट पर भाजपा के अर्जुन राम मेघवाल ने 55 हजार वोटों से जीत दर्ज की है। इसके साथ ही मेघवाल ने चौथी बार यहां से जीते हैं। वे 2009 से लेकर जीतते आ रहे हैं। बता दें कि अर्जुनराम मेघवाल केंद्र सरकार में केंद्रीय कानून मंत्री हैं वहीं गोविंदराम मेघवाल गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। इधर, करीब 5 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के बेटे रवि शेखर मेघवाल जब जीत के बाद मतगणना स्थल पर आने लगे तो पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद उनके बीच बहसबाजी हुई तो रवि पुलिस से बोले- मुझे पहचानते नहीं हो क्या?

सीकर। लोकसभा चुनाव में परिणाम में सीकर से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अमराराम ने 72896 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं अमराराम को सीकर लोकसभा क्षेत्र में 65300 वोट मिले हैं। जबकि भाजपा के सुमेधानंद सरस्वती को 586404 वोट मिले हैं। यहां 2 बार सांसद रहने के बाद इस बार भाजपा के प्रत्याशी सुमेधानंद इस बार चुनाव हार चुके हैं। जीत के बाद अमराराम एसके गर्ल्स कॉलेज से गाड़ी में सवार होकर ढाका भवन पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। काउंटिंग के दौरान अमराराम लगातार बढ़त बनाए हुए थे। ऐसे में उनके समर्थक 12 बजे बाद ही सीकर के कल्याण सर्किल पर डीजे की धुन पर थिरकते हुए नजर आए। अमराराम ने भी पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का हुकस्टेप किया। इस दौरान उनके साथ सीकर विधायक राजेंद्र पारीक, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, चौमूं विधायक शिखा मील सहित कई कांग्रेस नेता नजर आए।

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव ने भाजपा के रामस्वरूप कोली को शिकस्त दे दी है। यहां से कांग्रेस की संजना जाटव को 51,983 मतों से जीत मिली है। हालांकि अभी जीत की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। जीत के बाद जाटव ने कहा कि यह मेरी नहीं बल्कि जनता-जनार्दन की जीत है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि अब वो जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी। साथ ही भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में चिकित्सा, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के विकास व विस्तार का काम करेंगी। इतना ही नहीं लंबे समय से केंद्र में आरक्षण की मांग कर रहे भरतपुर-धौलपुर के जाटों के आरक्षण के मुद्दे को भी संसद में उठाएंगी।

नरेना रोड पर सोमवार रात को हुई घटना

डिवाइडर से टकराई बाइक, तीन की मौत

बेधड़क | जयपुर

जिले के सांभरलेक में सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों युवकों की एक साथ अर्थियां उठीं, तो हर किसी की आंखें नम थी।

सांभरलेक थानाधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कस्बे के नरेना रोड पर सोमवार रात को मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद तीन युवकों के घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और 2 घायलों को इलाज के लिए उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके शव को मोर्चरी में रखवाया। दोनों युवकों के गंभीर घायल होने पर जयपुर रैफर किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार युवकों की बाइक रात को सड़क पर बने डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में 26 वर्षीय सांभरलेक निवासी गजानंद की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो युवक हीरालाल और ओम शंकर को गंभीर घायल अवस्था में जयपुर रैफर किया गया था, जहां दोनों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीनों ही युवक सांभरलेक रैगर मोहल्ले के निवासी थे। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए। तीनों युवकों की एक साथ कस्बे से अर्थियां निकली तो हर किसी की आंखें नम थी। सड़क हादसे में 3 युवकों की हुई मौत के मामले में करणी विहार कॉलोनी निवासी पंकज ने बताया कि कई दिनों से सड़क की रोड लाइट बंद थी और विद्युत पोल पर रेडियम भी नहीं लगा था। ऐसे में रात को डिवाइडर और बीच में लगे विद्युत पोल नहीं दिखाई दिया और मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराते हुए विद्युत पोल से भिड़ गई। भिड़ंत इतनी भयंकर थी कि तीनों युवक 40 फीट दूर जाकर गिरे। कॉलोनी वासियों की सूचना पर घायलों को इलाज के लिए पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीनों युवकों की मौत हो गई।

जल जीवन मिशन योजना

चार माह में 33 से 9वें स्थान पर आया खैरथल-तिजारा

खैरथल-तिजारा। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को जल जीवन मिशन की समीक्षा के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में बैठक हुई। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र यादव मौजूद रहे। जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए अब तक जारी किए गए कार्यादेशों के तहत संचालित कार्यों की प्रगति का विस्तृत ब्यौरा प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता को आगामी माह में 5000 एफएचटीसी के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में स्वीकृत हैंडपंप के कार्यों को जल्द शुरू करवाने के साथ-साथ ड्राई सोर्स वाले गांवों प्रस्ताव राज्य स्तर भेजा गया। राजस्थान में जिला खैरथल-तिजारा फरवरी माह में जल जीवन मिशन प्रगति में 33वें स्थान पर था जो की अब 9वें स्थान पर पहुंच गया होने के बारे में बताया।

10 लाख रुपए की मांगी थी फिरौती

अपहरण और लूट की वारदात का खुलासा, महिला समेत 6 आरोपी पकड़े

बेधड़क | जयपुर

हरमाड़ा थाना पुलिस ने अपहरण और लूट की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने लूट और अपहरण के मामले में एक महिला समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। वारदात के उपयोग में ली गई स्कॉर्पियो कार को भी जब्त किया गया है। पीड़ित की गाड़ी को भी बरामद किया गया है।

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार बुडानिया के मुताबिक पुलिस ने आरोपी आकाश सिंह चौहान, मनोज गुर्जर, शंकरलाल सेन, अजय पाल सिंह राठौड़, रवि कुमार टॉक और पूजा देवी को गिरफ्तार किया है। परिवादिया अनीता ने हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 19 मई को शाम के समय उसका पति विजय अग्रवाल घर से गाड़ी लेकर सब्जी लेने के लिए गया था।

काफी समय तक नहीं लौटने पर फोन किया, तो किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाया और पैसे लेकर आने के लिए बोला। पीछे से महिला के पति की रोने की आवाज आ रही थी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल डीसीपी वेस्ट नीरज पाठक और एसीपी चौमूं अशोक चौहान के निर्देशन में हरमाड़ा थाना अधिकारी दिलीप खदाव के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया।

तकनीकी विश्लेषण और सूचनाओं से पकड़ा

पुलिस ने अपहृत व्यक्ति को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाने के लिए स्पेशल टीम ने सूचनाएं एकत्रित करना शुरू किया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए। तकनीकी विश्लेषण और प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस की टीम ने एक महिला समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपियों के कब्जे से अपहृत व्यक्ति की कार को भी बरामद किया गया है। वहीं वारदात के उपयोग में ली गई स्कॉर्पियो कार को जब्त कर लिया गया।

क्राइम ब्रांच ऑफिसर बन बैठाया गाड़ी में

पुलिस के मुताबिक आरोपियों और अपहृत व्यक्ति विजय अग्रवाल के बीच आपस में रुपयों के लेनदेन का विवाद चल रहा था। इसे लेकर आरोपियों ने योजना बनाकर पहले विजय अग्रवाल की रैकी की। 19 मई को जैसे ही विजय अग्रवाल अपनी गाड़ी लेकर हरमाड़ा इलाके की लोहा मंडी रोड पहुंचा तो आरोपी महिला पूजा देवी अपने आपको क्राइम ब्रांच की ऑफिसर बताकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। विजय अग्रवाल की गाड़ी को भी साथ ले गए। इसके बाद विजय अग्रवाल को लेकर मुहाना पहुंचे, जहां पर विजय के फोन से ही उसकी पत्नी को फोन करके रुपयों की मांग की गई।

अपहृत को छोड़कर भागे आरोपी

आरोपी बार-बार फोन करके फिरौती की मांग करते रहे और अपनी लोकेशन को भी चेंज करते रहे। वे अपहृत विजय को लेकर टोंक रोड, आदर्श नगर, कोटपूतली और बानसूर तक ले गए थे। पुलिस के पीछा करने की भनक लगने के बाद अपहृत व्यक्ति को कोटपूतली में छोड़ दिया और खुद जगह बदल बदल कर फरारी काटते रहे। अंत में पुलिस ने तकनीकी सहायता और सूचनाओं के आधार पर पीछा करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मेडिकल एस्पिरेंट्स के लिए बड़ी खबर... जयपुर के दो छात्र रहे टॉपर, इस साल कटऑफ में हुई वृद्धि

नीट परीक्षा के नतीजे घोषित, समित कुमार सैनी और देवेश ने किया टॉप

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

मेडिकल एस्पिरेंट्स के लिए बड़ी खबर है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NEET 2024 Result) ने मंगलवार को नीट परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार जयपुर के समित कुमार सैनी और देवेश जोशी ने नीट परीक्षा में टॉप किया है। इस साल 13.16 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा पास की है। एनटीए ने नीट यूजी रिजल्ट 2024 की सूचना एक्स पर दी है। इस साल करीब 24 लाख बच्चों ने नीट यूजी यानी मेडिकल की प्रवेश परीक्षा दी है।

नीट परीक्षा देने वाले स्टूडेंट आधिकारिक वेबसाइट exams.nta.ac.in/NEET के माध्यम से अपने नीट रिजल्ट की जांच कर सकते हैं। नीट यूजी रिजल्ट की जांच के लिए उम्मीदवारों को एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड का इस्तेमाल करना होगा। नीट यूजी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को 50 प्रतिशत अंकों की जरूरत होती है। एनटीए ने नीट रिजल्ट 2024 के साथ ही नीट यूजी कट-ऑफ भी जारी किया है। इस साल सभी श्रेणियों के लिए नीट 2024 कटऑफ बढ़ा दी गई है।

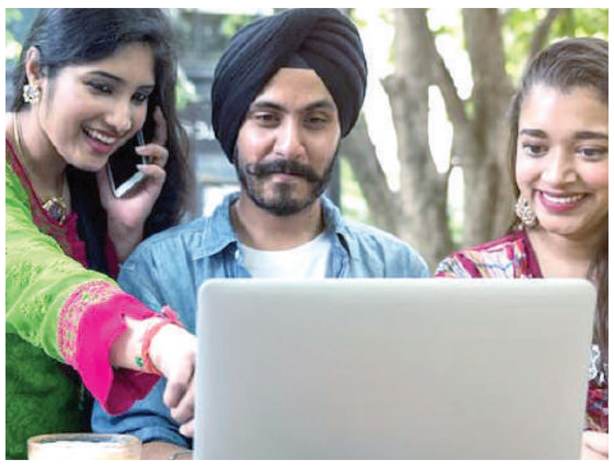

टॉपर के नाम की घोषणा नहीं

एनटीए ने नीट यूजी फाइनल आंसर-की के बाद नीट परीक्षा का परीक्षा तो घोषित किया है, लेकिन अब तक किसी टॉपर के नाम की घोषणा नहीं की है. टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के अनुसार जयपुर के समित कुमार सैनी और देवेश जोशी ने नीट परीक्षा में टॉप किया है। रिपोर्ट के अनुसार समित और देवेश को नीट यूजी परीक्षा में 720 अंक मिले हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि उन्होंने नीट एआईआर 1 रैंक हासिल किया है या नहीं। पिछले साल नीट यूजी में तमिलनाडु के प्रबंजन जे और आंध्र प्रदेश के बोरा वरुण चक्रवर्ती ने टॉप किया था। दोनों को नीट में 99.99 पर्सेंटाइल मिले थे।

उत्तरप्रदेश रहा टॉप स्टेट

इस साल नीट रिजल्ट में यूपी का डंका बज रहा है। नीट यूजी रिजल्ट में उत्तर प्रदेश टॉप पर है। यहां 165047 उम्मीदवारों ने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा पास की है। दूसरे नंबर पर राजस्थान रहा है, यहां से 121240 उम्मीदवार पास हुए हैं। वहीं, महाराष्ट्र तीसरे नंबर पर रहा है, यहां के 142665 बच्चे पास हुए हैं। चौथे नंबर पर कर्नाटक से 89088, केरल से 86681, बिहार से 74743, तमिलनाडु से 89426 और पश्चिम बंगाल से 63135 उम्मीदवार सफल हुए हैं. महाराष्ट्र राज्य के वेद सुनीलकुमार शेंडे, शुभन सेनगुप्ता, उमायमा मालबारी, पलांशा अग्रवाल, कृष्णमूर्ति पंकज शिवाल सामान्य श्रेणी के तहत टॉपर हैं।

राजस्थान से सबसे ज्यादा टॉपर्स

नीट यूजी में 13 लाख से अधिक उम्मीदवार सफल हुए हैं। राज्यों की बात करें तो इस साल राजस्थान को सबसे ज्यादा टॉपर्स मिले हैं। राजस्थान के कुल 11 उम्मीदवारों ने नीट रिजल्ट में रैंक 1 हासिल किया है।

14 छात्राओं को रैंक 1

इस साल 13 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है। वहीं नीट में कुल 14 महिला उम्मीदवारों ने रैंक 1 हासिल किया है और 53 पुरुष उम्मीदवारों ने रैंक 1 हासिल किया है. वहीं 67 स्टूडेंट को रैंक 1 मिला है।

दिल्ली टॉपर

रिपोर्ट के अनुसार नीट में दिल्ली के टॉपर दिव्यांशु और सुजॉय दत्ता है। दोनों ने 99.997129 पर्सेंटाइल स्कोर किया है। वहीं मृदुल मान्या आनंद और लक्ष्य ने भी ओबीसी - (एनसीएल) के तहत दिल्ली में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इन्हें भी 99.997129 पर्सेंटाइल स्कोर मिला है।

13.16 लाख बच्चे पास

इस साल 13.16 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा पास की है. नीट यूजी परीक्षा में इस बार कुल 547036 मेल उम्मीदवार, 769222 फीमेल और 10 थर्ड जेंडर के उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए हैं। बता दें कि पिछले साल 11.45 लाख उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए थे। वहीं, कुल 20.38 लाख उम्मीदवारों ने नीट यूजी के लिए पंजीकरण कराया था। रिपोर्ट की मानें तो इस साल बड़ी संख्या में स्टूडेंट को 720 में से 720 अंक मिले हैं। हालांकि 89 स्टूडेंट को फुल मार्क्स मिलने का भी दावा किया जा रहा है।

Yuva स्टोरीज

IMT गाजियाबाद में स्टूडेंट इमर्शन प्रोग्राम होगा शुरू

नई दिल्ली। आईएमटी गाजियाबाद ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (एनआईएसएम) के सहयोग से अपना पहला स्टूडेंट इमर्शन प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। यह प्रोग्राम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट - बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (पीजीडीएम-बीएफएस) के छात्रों को भारतीय प्रतिभूति बाजारों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा। लगभग 6 सप्ताह तक चलने वाला यह कोर्स 120 छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 100 घंटे की कक्षाएं शामिल हैं। इस कोर्स में पढ़ाई के साथ-साथ एक उद्योग परियोजना भी शामिल है, जो छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करती है। छात्र एनआईएसएम की अत्याधुनिक सिम्युलेटेड ट्रेडिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं और सेबी, एनएसई, बीएसई, सीडीएसएल और एनएसडीएल जैसे प्रमुख संस्थानों का दौरा करके प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, उन्हें उद्योग के पेशेवरों और नियामकों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण संपर्क बनाने में मदद मिलेगी। सहयोग के बारे में बोलते हुए, आईएमटी गाजियाबाद के निदेशक, विशाल तलवार ने कहा, "शैक्षणिक शिक्षा और वित्तीय बाजारों के गतिशील परिदृश्य के बीच की खाई को पाटकर, हमारा लक्ष्य अपने छात्रों को भारत की वित्तीय राजधानी, मुंबई से अमूल्य व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।"

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट के 8 जून को जारी होंगे नतीजे

नई दिल्ली। लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल (एलएसएसी) ने लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलएसएटी) इंडिया 2024 के रिजल्ट की तारीख जारी कर दी है। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, एलएसएटी इंडिया 2024 परीक्षा का रिजल्ट 8 जून, 2024 को जारी किया जाएगा। एलएसएटी परीक्षा में शामिल उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर lsatindia.in अपना रिजल्ट देख और डाउनलोड कर सकेंगे। देश भर के 50 से अधिक लॉ कॉलेज पांच वर्षीय एकीकृत एलएलबी पाठ्यक्रम, तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम और एलएलएम पाठ्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रमों में एलएसएटी इंडिया परीक्षा के स्कोर के आधार पर प्रवेश देते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस आज, शहर में होंगे कई कार्यक्रम

जयपुर शहर के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली होगी लॉन्च

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में होगा कार्यक्रम
- न्यूज़लेटर किया जाएगा जारी
- राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होगा राज्य स्तरीय विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

बेधड़क | जयपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अधिक जानकारी देते हुए मंडल सदस्य सचिव प्रेमलाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत मंडल से सम्बंधित विभिन्न रिपोर्ट्स जारी करने, हैकाथॉन 2.0 के शुभारंभ के साथ पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जायेगा। सदस्य सचिव प्रेमलाल ने बताया कि राज्य स्तरीय विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांशु पंत सहित अतिरिक्त मुख्य सचिव-सीएम शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग अपर्णा अरोड़ा मौजूद रहेंगी।

डॉ. गौरव गोवर्धन देंगे अर्ली वार्निंग सिस्टम का परिचय

सदस्य सचिव प्रेमलाल ने बताया कि मंडल द्वारा विशेष पहल करते हुए आयोजन के दौरान जयपुर शहरवासियों के लिए मौसम की तर्ज पर वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली लॉन्च की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान आईआईटीएम पुणे के प्रतिनिधि डॉ. गौरव गोवर्धन द्वारा अर्ली वार्निंग सिस्टम का परिचय दिया जाएगा। इसी के साथ अब जयपुरवासियों को मौसम की तर्ज पर वायु गुणवत्ता के बारे में भी पूर्व में ही चेतावनी जारी की जाएगी जिससे वायु गुणवत्ता की वजह से होने वाली परेशानी का समाधान पहले ही कर सकेंगे।

हेकेथॉन 2.0 जारी करने के साथ न्यूलेटर किया जाएगा जारी

सदस्य सचिव ने कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान अलवर एवं कोटा जिले के लिए "सोर्स अपोर्शनमेन्ट एंड एमिशन इन्वेंट्री" रिपोर्ट जारी की जाएगी वही विश्व पर्यावरण दिवस पर केंद्रित न्यूज़लेटर जारी किया जाएगा। इसी के साथ उदयपुर की क्षेत्रीय प्रयोगशाला को एनएबीएल प्रमाण पत्र दिया जायेगा। वहीँ फोटोग्राफी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट फोटो के लिए एवं न्यूज़लेटर में उत्कृष्ट समाचार प्रविष्टि के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित जाएगा।

बायो मेडिकल वेस्ट प्रबन्धन कार्यशाला

रूल्स के उपयोग संबंधी चुनौतियों के बारे में दी जानकारी

बेधड़क | जयपुर

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा बुधवार को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित प्रबन्धन के लिए इससे जुड़े विभिन्न हितधारकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रारम्भ में राज्य मंडल की अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी एवं शाखा प्रभारी (आईएमए) सुमन झाझड़िया द्वारा राज्य में बायोमेडिकल वेस्ट के उचित प्रबन्धन की आवश्यकता एवं राज्य में बायोमेडिकल वेस्ट रूल्स की अनुपालना सुनिश्चित करने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में मेडिकल एवं हेल्थ विभाग के संयुक्त निदेशक एवं राज्य नोडल अधिकारी (बायो मेडिकल वेस्ट) डॉ राजेश शर्मा, इंडियन मेडिकल एसोसियन के अध्यक्ष डॉ रजनीश शर्मा,मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों एवं आईएमए से आये डॉक्टर एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्य में बायोमेडिकल वेस्ट के उचित प्रबन्धन में अस्पतालों द्वारा अपनाई जा रही "बेस्ट प्रेक्टिसेस" CBWTF की कार्यप्रणाली एवं इससे जुड़े मुद्दों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

एडमिशन | **DU : सीएसएएस पीजी, बीए एलएलबी (ऑनर्स), बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) और बीटेक पाठ्यक्रम**

दिल्ली विवि पीजी प्रवेश पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

बेधड़क | नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) कल यानी 5 जून को कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम फॉर पोस्टग्रेजुएट्स (सीएसएएस पीजी), बीए एलएलबी (ऑनर्स), बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) और बीटेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण विंडो बंद कर देगा। इच्छुक उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट admission.uod.ac.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण विंडो रात 11.59 बजे तक खुली रहेगी।

छात्र कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट फॉर पोस्टग्रेजुएट्स (सीयूईटी पीजी) 2024 के अंकों के आधार पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए 82 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। देश में चल रहे आम चुनावों के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय ने पंजीकरण की अंतिम तिथि कल तक बढ़ा दी थी। उम्मीदवारों के लिए आवेदन सुधार विंडो 5 जून से 12 जून तक खुली रहेगी।

आवेदन करने के चरण

उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों के माध्यम से डीयू पीजी प्रवेश 2024 प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं-

- आधिकारिक प्रवेश पोर्टल admission.uod.ac.in पर जाएं।
- होमपेज पर, DU PG CSAS 2024 लिंक पर क्लिक करें।
- CUET PG 2024 आवेदन नंबर और जन्म तिथि दर्ज करें।
- आवेदन पत्र पूरा करें और प्रवेश शुल्क का भुगतान करें।
- दस्तावेज अपलोड करें, प्रवेश प्रक्रिया पूरा करने के लिए फॉर्म जमा करें।
- पुष्टीकरण पृष्ठ डाउनलोड करें और प्रिंटआउट लें।

यह हैं पात्रता के मानदंड

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी पीजी 2024 के अंकों के आधार पर होगा। अधिसूचना में कहा गया है, "शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश केवल कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-पोस्टग्रेजुएट 2024 (CUET (PG) - 2024) के आधार पर होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों और विभागों को प्रवेश के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (PG)-2024 का उपयोग करना आवश्यक है।" जारी अधिसूचना के अनुसार, सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों के लिए पंजीकरण शुल्क 250 रुपए है। एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के छात्रों को 100 रुपए का आवेदन शुल्क देना होगा।

पर्यावरणीय तत्वों में समन्वय ही सुख शांति का आधार

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

वैदिक मतानुसार प्रकृति, आत्मा अर्थात जीवात्मा और परमात्मा नित्य, अजर-अमर हैं। यही कारण है कि आदि सृष्टि रचना काल में मानव सृष्टि के आरंभिक काल से ही मानव का प्रकृति से अटूट संबंध रहा है। पृथ्वी सदैव ही समस्त जीव-जन्तुओं का भरण-पोषण करने वाली रही है। भूमि, गगन, वायु, आकाश अर्थात अंतरिक्षस्थ अग्नि और नीर -इन पंचतत्वों से सृष्टि की संरचना हुई है। बिना प्रकृति के जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति से जुड़े प्रत्येक तत्वों की महिमा, उपयोगिता व आवश्यकता को पहचानकर उसे देवतुल्य मानकर उसकी उपासना किए जाने की वृहत परंपरा रही है। यहां पंच महाभूत- अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश के साथ ग्रह-नक्षत्र, नदियां, तालाबों, पर्वत, पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं सभी में ईश्वरीय सत्ता को स्वीकारते हुए उनके प्रति आदर-सम्मान की भावना प्रदर्शित किए जाने की अत्यंत प्राचीन परिपाटी है। भारतीय परंपराओं में सदा से ही पर्यावरण अभिन्न अंग रहा है। इसका कारण है कि यहां की प्रत्येक परंपराओं के पीछे एक वैज्ञानिक तथ्य जुड़ा है। और कथा के रूप में देवत्व, पौराणिक तथ्यों की तो भरमार ही है।

सृष्टि विज्ञान के प्रमुख भारतीय ग्रंथ वेद में पर्यावरण संतुलन के महत्व को प्रतिपादित करते हुए जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी का स्तवन करने की भावना अनेक सूक्तों में स्तवित की गई है। ऋग्वेद के प्रथम मंत्र ऋग्वेद 1/1/1 में ही अग्नि को पिता के समान कल्याणकारी मानते हुए अग्नि तत्व की स्तुति कहा गया है-

अग्ने। सूनवे पिता इव नः स्वस्तये आ सचस्व।

ऋग्वेद 1/23/248 में जल के महत्व को प्रदर्शित करते हुए कहा गया है -

अप्सु अन्तःअमृतं, अप्सु भेषजं।

अर्थात- जल में अमृत है, जल में औषधि गुण विद्यमान रहते हैं।

इसलिए जल की शुद्धता, स्वच्छता बनाए रखने की सख्त आवश्यकता है। ऋग्वेद के अनुसार समग्र पृथ्वी संपूर्ण परिवेश के परिशुद्ध रहने, नदी, पर्वत, वन, उपवन सबके स्वच्छ रहने, गांव, नगर सबको विस्तृत और उत्तम परिसर प्राप्त होने पर ही जीवन का सम्यक विकास हो सकेगा। यह सत्य है कि पृथ्वी का आधार ही जल और जंगल है। वैदिक मत में वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। जंगल को आनन्ददायक कहते हैं। इसीलिए भारत में अति प्राचीन काल से लेकर सम्राट विक्रमादित्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक के शासनकाल तक वन्य जीवों एवं वनों के संरक्षण पर विशेष बल दिए जाने की अनेक विवरणियां प्राप्य हैं। आचार्य चाणक्य के काल में तो आदर्श शासन व्यवस्था के लिए अनिवार्य रूप से अरण्य पालों की नियुक्ति करने की परंपरा थी। आयुर्वेद ग्रंथों में सिर्फ उपयोगी वृक्षों के लिए ही 18 अध्याय समर्पित हैं। स्थिरता पर आधारित भारतीय वन परंपरा मनुष्य को अपने उपभोग और उत्पादन पर अधिक सचेत रहने की आवश्यकता पर बल देती है। नीम, पीपल, जामुन, बेल, आम आदि वृक्ष, नदियों, पहाड़ों, पांच तत्वों और अन्य के प्रति भारतीय ग्रंथों में श्रद्धा का भाव प्रदर्शित की गई है। इन प्रथाओं को पुनर्जीवित करते हुए निरंतर चालू रखे जाने की आवश्यकता है। वृक्षों, फलों, फूलों और सब्जियों की स्वदेशी किस्मों के अनुसार रोपण पर बल दिया जाना चाहिए। पंच पल्लव जैसी परंपराओं पर आधारित वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

> *"भारतीय परंपरा में पर्यावरण की चिंता आदि सनातन काल से की गई है। अति प्राचीन काल से ही भारत में समस्त प्रकृति ही पूज्य रही है। प्रकृति की महता, संरक्षता, पूज्यता के अनेक प्रसंग वैदिक, पौराणिक ग्रंथों में अंकित हैं। वैदिक, पौराणिक ग्रंथों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस प्रकृति की महता, उपयोगिता, महत्वपूर्णता को हमारे पूर्वज ऋषि -मुनियों ने सृष्टि के आदिकाल में ही जान लिया था, समझ लिया था। इसलिए पर्यावरण संरक्षण बेहद आवश्यक है, यह बात सबको अच्छी तरह समझनी ही होगी।"*

वैदिक मत में पर्यावरणीय तत्वों में समन्वय होना ही सुख शांति का आधार माना गया है। इसमें कोई शक नहीं कि पदार्थों का परस्पर समन्वय ही शांति है। इसीलिए प्राकृतिक पदार्थों में शांति की भावना प्रदर्शित करते हुए ऋग्वेद 7/35/3 में कहा गया है कि अन्नादि से युक्त पृथ्वी हमारी शांति के लिए हो। अथर्ववेद 12/1/12 में भूमि को माता तथा वहां के निवासी को उसका पुत्र बताते हुए माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः कहा गया है। यजुर्वेद 36/13 में कामना की गई है कि पृथ्वी हमारे लिए कंटक रहित और बसने योग्य हो। लेकिन वर्तमान भौतिकवादी युग में विकास के नाम पर मानव ने प्रकृति के सुंदर स्वरूप को क्षति पहुंचाकर बसने योग्य नहीं रहने देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रकृति के निरंतर दोहन, अनवरत शोषण से मनुष्यों ने प्रकृति के नियमों की अवहेलना कर समस्त प्राणियों के जीवन को संकट में डाल दिया है। परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं के रूप में प्रकृति दंड देने से नहीं चूकती है। वेद में उपदेशित प्राकृतिक पदार्थों से कल्याण की कामना की स्वस्ति भावना को आधार बनाकर इस क्षति बच जा सकता है। आचार्य सायण ने प्राकृतिक पदार्थों से कल्याण कामना की स्वस्ति भावना का अर्थ करते हुए कहा है- अविनाशं क्षेमं-सुरक्षित क्षेमं। निरुक्तकारों ने इसका अर्थ करते हुए कहा है-

अलब्धस्य लाभो योगः, प्राप्तस्य संरक्षणं क्षेमः।

अर्थात-अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति योग है तथा प्राप्त का संरक्षण क्षेम। इस प्रकार स्पष्ट है कि सहज सुलभ प्राकृतिक पदार्थों का सुरक्षित रहना ही स्वस्ति है। इसी भावना का उद्घोष करते हुए हमारे पूर्वज ऋषियों ने शांति की कामना की है-

ॐ द्यौ शान्तिः, अंतरिक्ष शांतिः, पृथ्वी शांतिः, आपःशांतिः। इससे यह भी स्पष्ट है कि मनुष्य अपने मन, वचन, आचरण एवं व्यवहार से प्रकृति के कोप को शांत करके ही अपना जीवन सुखी और शांत बना सकता है। लेकिन वेद में उपदेशित इस स्वस्ति भावना की अवहेलना कर वर्तमान में भौतिकवादी युग के प्रभाव में किए जा रहे पर्यावरण से छेड़-छाड़ ने प्रकृति पर असर डालना शुरू किया है। इसके कारण पर्यावरण के समक्ष संकट की उपस्थिति आन खड़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विश्व पर्यावरण दिवस: जयवायु परिवर्तन

आसान नहीं है चुनौतियों से निपटना

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

> *"यहां इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि जलवायु की रक्षा के लिए इतना पैसा कहां से जुटाया जाएगा। काप 28 सम्मेलन में भी इस बाबत हानि एवं क्षति कोष में शुरुआती रूप से 47.50 करोड़ डॉलर फंडिंग का अनुमान था। इस पर मेजबान यूएई ने 10 करोड़ डॉलर,यूरो यूरोपीय संघ ने 27.50 करोड़ डालर,अमेरिका ने 1.75. करोड़ डालर और जापान ने एक करोड़ डालर देने का वायदा किया था। जबकि इस बाबत विकासशील देशों को हर साल करीब 600 अरब डालर की ज़रूरत होगी जो विकसित राष्ट्रों द्वारा किए गए वादे से काफी कम है।"*

अब जलवायु परिवर्तन समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसमें कोई दो राय नहीं और किंचित मात्र भी संदेह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन से जहां समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कई द्वीपों और दुनिया के तटीय महानगरों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। यह भी कि जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रही पूरी दुनिया इसकी भारी आर्थिक कीमत चुका रही है। सबसे बड़ा संकट तो जमीन के दिनों-दिन बंजर होने का है। यदि सदी के अंत तक तापमान में दो डिग्री की भी बढ़ोतरी हुई तो 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जमीन और भोजन का संकट पैदा हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना एकदम सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है।

समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाए कि वह समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और हमें तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह खतरा बरकरार रहेगा। असलियत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण मौसम के रौद्र रूप ने पूरी दुनिया को तबाही के कगार पर ला खड़ा किया है। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मरुस्थलीकरण है जिसका असर आने वाले दिनों में विकासशील देशों के 1.30 से 3.2.अरब लोगों पर पड़ेगा। आज समूची दुनिया में करीब 40 फीसदी जमीन बंजर हो चुकी है। इसमें यदि 6 फ़ीसदी घोषित रेगिस्तान को छोड़ दिया जाए तो शेष 34 फीसदी जमीन पर करीब 4 अरब लोग निर्भर हैं। इस पर सूखा, यकायक ज्यादा बारिश, बाढ़, खारापन, रेतीली हवाएं आदि के चलते बंजर होने का खतरा मंडरा रहा है। असलियत में आज दुनिया के 52 से 75 फीसदी देशों के करीब 50 करोड़ लोग भूमि क्षरण की मार से प्रभावित हैं। 2015 में यह आंकड़ा 50 करोड़ था जो सदी के आखिर तक दो गुणा हो जाएगा। यह स्थिति भयावह खतरे का संकेत है। यह भी कि दुनिया की तेजी से बढ़ रही आबादी और जलवायु परिवर्तन के कारण फसल की पैदावार दर में तीन फीसदी की गिरावट के अंदेशे से दुनिया में 2050 तक भोजन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा। फिर दुनिया की 50 फीसदी प्राकृतिक चारागाह की जमीन के नष्ट होने से जलवायु, खाद्य आपूर्ति और अरबों लोगों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो गया है। यह भूमि वैश्विक खाद्य उत्पादन का छठा हिस्सा है जिस पर दुनिया के दो अरब लोग निर्भर हैं। जलवायु परिवर्तन से मानसिक सहित कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी हो रही हैं। लैंसेट न्यूरोलॉजी जर्नल में प्रकाशित शोध में खुलासा हुआ है कि इसका माइग्रेन, अल्जाइमर आदि से पीड़ित लोगों पर ज्यादा नकारात्मक असर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन ने चिंता, अवसाद और सिजोफ्रेनिया सहित कई गंभीर बीमारियों को भी गहरे तक प्रभावित किया है। वैज्ञानिकों ने माना है कि न्यूरोलॉजिकल समस्या से जुड़े लोगों पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभाव पर ध्यान देने की बेहद जरूरत है। जलवायु के प्रभाव से स्ट्रोक और मस्तिष्क में संक्रमण के प्रमाण पाए गए हैं। इससे तनाव, अवसाद और आत्महत्या के विचार के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही दुनिया के 70 फीसदी श्रमिकों यानी 240 करोड़ की सेहत पर खतरा है। इसके लिए अत्याधिक गर्मी के दौरान काम करने वाले मजदूरों के लिए सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित कराना बेहद जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन के असर से जीव जंतु और पेड़-पौधे भी अछूते नहीं रहे हैं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और तेजी से हो रहे औद्योगीकरण ने ईकोसिस्टम को भी जबर्दस्त प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण 30 फीसदी प्रजातियों का अस्तित्व पर खतरे में है। प्रतिकूल जलवायु के कारण जीव जंतुओं को अपना प्राकृतिक वास छोड़ना पड़ सकता है। साथ ही उनकी प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि जलवायु परिवर्तन जीवन के अधिकार की संवैधानिक गारंटी को प्रभावित करता है। यह बात सुप्रीम कोर्ट ने लुप्त प्रायः पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की सुरक्षा के लिए दायर याचिका पर निर्णय देते हुए कहा कि स्वच्छ पर्यावरण के बिना जीवन का अधिकार पूरी तरह से साकार नहीं हो सकता है। जहां तक बच्चों का सवाल है, यूनीसेफ ने चेतावनी दी है कि यदि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कोशिश नहीं की गयी तो दुनिया में लगभग एक अरब बच्चे जलवायु संकट के प्रभावों के अत्यंत उच्च जोखिम का सामना करने को विवश होंगे। दरअसल बढ़ता तापमान, पानी की कमी और खतरनाक श्वसन स्थितियों का सबसे घातक प्रभाव बच्चों पर अधिक पड़ता है। जलवायु की कठोरता बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, भविष्य की आजीविका, रोग प्रतिरोधक क्षमता के साथ साथ उनके सर्वांगीण विकास को प्रभावित करती है। भारत दुनिया के उन 23 देशों में शामिल हैं, जहां अत्याधिक उच्च तापमान के कारण बच्चों को जोखिम उठाना पड़ता है।

असलियत यह है कि जलवायु संकट की दुनिया बड़ी आर्थिक कीमत चुका रही है। जलवायु परिवर्तन से होने वाला नुकसान पहले के अनुमान से छह गुणा अधिक है। इस सदी के अंत तक यह 38 ट्रिलियन डालर हो जाएगा। हार्वर्ड और नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोध से खुलासा हुआ है कि जलवायु संकट के कारण औसत आय अगले 26 वर्ष में लगभग पांचवें हिस्से तक गिर जाएगी। बढ़ते तापमान, भारी वर्षा और तीव्र चरम मौसम के कारण मध्य शताब्दी तक हर साल 38 ट्रिलियन डालर का नुक़सान होने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित न करना इसके बारे में कुछ करने की तुलना में बहुत अधिक मंहगा है। शोध के अनुसार 1.8 डिग्री सेल्सियस दुनिया पहले ही गर्म हो चुकी है। 1056 डालर प्रति टन नुक़सान होता है कार्बन उत्सर्जन से और 12 फीसदी की जीडीपी में गिरावट तापमान वृद्धि की वजह से होती है। विश्व मौसम संगठन के अनुसार बीते पचास सालों में बाढ़, सूखा, चक्रवात और तूफ़ान के रूप में जलवायु परिवर्तन के चलते 11,778 से अधिक आपदाएं आईं हैं। इनमें तकरीब बीस लाख लोगों की मौत हुईं और 4.30 लाख करोड़ डालर से अधिक का नुक़सान हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन से 2025 से 2050 के बीच गल्फ स्ट्रीम खत्म होने का खतरा मंडराने लगा है। इसका भारत पर भी बुरा असर पड़ेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

बेरोजगारी: सदा रही है सदा रहेगी!

सुरेश रायकवार
व्यंग्यकार

दयारामजी के पड़ोसी शिकायती अंदाज में कहने लगे – चुनाव की घोषणा हुई नहीं कि विपक्षी पार्टियां बेरोजगारी-बेरोजगारी चिल्लाने लगती है। कोई इसे सरकार की असफलता बतलाता है तो कोई इसे आज तक की सबसे बड़ी बेरोजगारी निरूपित करता है, कोई सत्ता में आने पर सौ प्रतिशत बेरोजगारी समाप्त करने की गारंटी देता है तो कोई बेरोजगारी भत्ते बढ़ाने का आश्वासन देकर लुभाते नजर आता हैं। यहां तक कि जो क्षेत्रीय पार्टी मात्र 10-20 सीट पर देश का आम चुनाव लड़ रही है वह भी अपने चुनावी घोषणा पत्र में पूरे देश से बेरोजगारी समाप्त करने का वचन देती है।

दयाराम जी भी तंज कसते हुए बोले– कभी-कभी बेरोजगारी का राग सुन-सुन कर तो मुझे भी लगता है कि शायद देश में इसी समय बेरोजगारी की समस्या है वरना सन 47 के बाद तो देश में इतना रोजगार उपलब्ध था कि सरकारें युवाओं को नौकरी देने के लिए चिराग लेकर ढूंढती थी किन्तु मजाल कि उसे कोई नौकरी करने वाला मिल जाए! पड़ोसी बात को आगे बढ़ाते हुए बोले – अब देखिये ना प्राचीन समय में तो नौकरी को अच्छा भी नहीं माना जाता था। और शायद इसीलिए हमारे बड़े बुजुर्ग भी तो अक्सर महाकवि घाघ द्वारा रचित कहावत दोहराया करते थे - "उत्तम खेती मध्यम बान, निकृष्ट चाकरी भीख निदान। किन्तु आज तो इसके उलट सरकारी नौकरी पाने के लिए आदमी क्या क्या नहीं कर रहा है। कोई स्नातक अपने आप को आठवीं पास बताकर चपरासी की नौकरी कर रहा है तो कोई इंजीनियरिंग का स्नातक लिपिक बनकर अपने आप को धन्य समझ रहा है। कोई अजा/अजजा के झूठे प्रमाण पत्र लगा कर नौकरी पाने की जुगाड़ करता नजर आता है तो कई अच्छे-अच्छे पढ़े-लिखे युवा पुलिस कांस्टेबल जैसी साधारण-सी नौकरी पाने के लिए लाखों रुपये की रिश्वत दे रहे है।

दयाराम जी एक लंबी सांस भरते हुए जवाब में बोले कि हमारा भी क्या जमाना हुआ करता था। 10वीं कक्षा पास होते ही पिताजी कहते थे- रोजगार कार्यालय में नाम लिखा आना ताकि ग्रेजुएशन होते-होते रोजगार कार्यालय से कोई ना कोई नौकरी का इंटरव्यू काल तो आ ही जाएगा। किन्तु 5 साल तक रोजगार कार्यालय का कार्ड नियमित नवीनीकरण करवाने के बाद भी नतीजा शिफर ही होता था। कुछ लोग रोजगार अधिकारी को जमाने से चली आ रही भेंट पूजा कर अपना नाम तो निकलवा लेते थे किन्तु गारंटी फिर भी नहीं होती थी कि आपको नौकरी मिल ही जाएगी।

किन्तु एक बात तो थी कि अपने जमाने में ऐसा नहीं होता था कि एक सरकारी पद के लिए हजार-हजार बेरोजगार परीक्षा देते थे, ना ही परीक्षा के पेपर लीक हुआ करते थे। अब यह तो सरकार की ही गलती मानी जाएगी ना कि उसने पहले तो जनसंख्या वृद्धि पर रोक नहीं लगाई और फिर बाद में बच्चों को शिक्षा ऋण दे- देकर ऊंची पढ़ाई करवा दी। अब पढ़ाई के बाद भी क्या कोई खेती जैसा निकृष्ट कार्य करेगा? या अपना पुश्तैनी धंधा ही चलाता रहेगा? सरकार को चाहिए कि हर पढे-लिखे युवा के लिए सरकारी नौकरी की व्यवस्था करे।

देश के धंधे और खेती तो ये मल्टीनेशनल कंपनियाँ ही संभाल लेंगी। दयाराम जी अपने जमाने को याद करते हुए फिर बोले कि हमारे मजबूर पिता के पास जब हमें पढ़ाने के लिए पूंजी समाप्त हो जाती थी तो वे उसी मजबूरी में हमें किसी सायकल की दुकान पर, कपड़े की दुकान पर अथवा अन्य किसी दुकान या कार्यालय में रखवा देते थे या एक चाय की गुमटी लगवा देते थे और हमारी बेरोजगारी खत्म हो जाती थी। किन्तु आज के युवा तो चाय भी गुमटी पर पीना पसंद नहीं करते है। पढ़ाई के कारण अब युवा का स्टैंडर्ड थोड़ा ऊंचा हो जाता है वे ना तो कोई पैतृक धंधा करना चाहते हैं ना ही सायकल या मोटरसायकल की दुकान पर काम करना चाहते है, यहाँ तक की वे प्रायवेट जॉब को तो रोजगार मानते ही नहीं! अब इतना पढ़ें है तो कम से कम सरकारी नौकरी तो होना ही चाहिए ना! या लाखों के पैकेज वाली प्राइवेट नौकरी! वरना क्या काम की ये पढ़ाई लिखाई। अंत में दयाराम जी ने पड़ोसी से पूछा कि आजकल आपका बेटा क्या कर रहा है? तो उन्होने बताया कि बेटे को जैसे-तैसे समझा-बुझाकर अपनी पैतृक पकोड़े की दुकान पर सेठ बनाकर बैठा दिया है, जो रोज शाम को बीस से पच्चीस हजार का गल्ला उठा रहा है। दयाराम जी बोले – अच्छा है कम से कम इंजीनियरिंग करने के बाद चपरासी तो नहीं बना, भगवान सब सरकारों और बेरोजगारों को सद्बुद्धि प्रदान करे।

नॉलेज कॉर्नर: एक बार फिर से बन रही है गठबंधन की सरकार

गठबंधन से देश में चलती रही हैं सरकारें!

देश में लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। इसमें किसी भी पार्टी को अबकी बार स्पष्ट बहुमत आते नहीं दिख रहा है। ऐसे में गठबंधन सरकार बनना तय है। जहां एनडीए गठबंधन के पक्ष में 293 सीटें आती दिख रही है। वहीं इंडिया गठबंधन के खाते में 234 सीटें आई है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि केंद्र में पहली गठबंधन सरकार कब बनी, कौन थे प्रधानमंत्री और अब तक देश में कितनी बार राजनैतिक पार्टियों के गठबंधन से सरकारें बन चुकी हैं। गठबंधन सरकारें कैसे शासन करती हैं और संसद चलाती हैं। आज के नॉलेज में विस्तार से जानते हैं इस बारे में...

मोरारजी ने बनाई थी देश में पहली गठबंधन सरकार

केंद्र में पहली गठबंधन सरकार जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी थी जिसमें मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री बनाया गया था। इसके बाद गठबंधन सरकारें बनने का जो सिलसिला शुरू हुआ वह आज भी जारी है। अब तक केंद्र में कितनी बार गठबंधन सरकार बनी और अपना कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री कौन थे। संयुक्त मोर्चा ने 1996 में पहली बार सरकार बनाई, जिसके प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा थे, लेकिन यह सरकार एक

जून 1996 से लेकर 21 अप्रैल 1997 तक ही चल पाई। इसके बाद 21 अप्रैल 1997 से लेकर 19 मार्च 1998 तक इंद्र कुमार गुजराल प्रधानमंत्री बने। दोनों बार सरकार कांग्रेस के समर्थन वापस लेने की वजह से गिरी।

1998 में NDA और 2004 में बना यूपीए गठबंधन

1998 के आम चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) बना, जिसमें 13 दल शामिल थे। चुनाव बाद एनडीए की सरकार बनी और अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने, लेकिन एआइडीएमके के समर्थन वापसी से 13 दिन में ही यह सरकार गिर गई। इसके बाद 1999 में चुनाव हुआ, जिसमें एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और फिर अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने। इसके बाद यह सिलसिला जारी रहा और 2019 में एनडीए आज तक चलता आ रहा है। 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) की सरकार बनी और डॉक्टर मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने। यूपीए की सरकार को सपा और वाम दलों का भी बाहर से समर्थन प्राप्त था।

2023 में बना इंडिया गठबंधन

बीते साल बेंगलुरु में 17-18 जुलाई को हुई बैठक में विपक्षी गठबंधन का नाम टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने सुझाया। राहुल गांधी ने इस पर समर्थन दिया। हालांकि, बैठक में नीतीश कुमार ने इस नाम का विरोध भी किया, लेकिन ज्यादातर नेता इसके पक्ष में थे।

कंटेंट: बजरंगलाल बुनकर

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
विकास के नए युग का प्रारंभ...
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व में NDA को निरंतर तीसरी बार बहुमत प्रदान करने हेतु देवतुल्य जनता का आत्मीय आभार एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत हेतु उनका हार्दिक अभिनंदन।

वाराणसी सीट: पीएम को मिले 6 लाख 12 हजार 970 वोट... 2019 के मुकाबले कम मार्जिन से हुई जीत

वाराणसी में मोदी ने लगाई जीत की हैट्रिक... 1.5 लाख वोटों से जीते

एजेंसी | वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट पर लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। पीएम मोदी ने कांग्रेस के अजय राय को मात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 6 लाख 12 हजार 970 वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय को 4 लाख 60 हजार 457 वोट मिले हैं। पीएम मोदी ने वाराणसी सीट पर 1 लाख 52 हजार 513 वोट से जीत दर्ज की है। पीएम मोदी इससे पहले साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कर संसद पहुंचे थे। पीएम मोदी लगातार एक ही

सीट से जीतने वाले तीसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम दर्ज है। नेहरू तीन बार फूलपुर सीट से सांसद चुने गए, जबकि अटल बिहारी ने लखनऊ सीट से पांच बार जीत दर्ज की थी।

लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन दिखाया है। इंडिया गठबंधन ने वाराणसी लोकसभा सीट पर भी अपना दम दिखा है। यहां पीएम नरेंद्र मोदी के जीत के अंतर में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय ने पीएम नरेंद्र मोदी का कांटे की टक्कर दी। शुरुआत चरण की मतों की गिनती में अजय राय आगे चल रहे थे। फाइनल रिजल्ट में अजय राय 1.52 लाख वोट के अंतर से हारे। हालांकि इसे अजय राय की बड़ी चुनावी लड़ाई और प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। देश की सबसे प्रतिष्ठित सीट वाराणसी पर सबकी निगाहें लगी हुई थी। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत तो तय मानी जा रही थी। एक तरफ भाजपा पिछले बार की जीत के अंतर को बढ़ाने का दावा कर रही थी। वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के नेता अजय राय भी पूरी दमखम से चुनावी मैदान में थे। मतगणना समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीत की घोषणा तो हो गई लेकिन आंकड़ों को देखकर हर कोई हैरान रह गया।

मोदी से ज्यादा राहुल की लोकप्रियता

पीएम मोदी की जीत पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और वाराणसी लोकसभा सीट से उम्मीदवार अजय राय ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि तीन घंटे तक प्रधानमंत्री मोदी पीछे चल रहे थे। 1.5 लाख वोटों से जीतने में पसीने छूट गए। उन्होंने कहा कि रायबरेली से राहुल गांधी 4 लाख वोटों से जीत रहे हैं। ये साबित करता है कि राहुल गांधी की हिंदुस्तान में लोकप्रियता मोदी से बहुत ज्यादा है।

जीत का मार्जिन घटा

लोकसभा चुनाव 2019 में नरेंद्र मोदी को 6 लाख 74 हजार वोट मिले थे, लेकिन इस बार 2024 के चुनाव में उनके वोटों का आंकड़ा 6 लाख 14 हजार तक सीमित रह गया। 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार लाख 71 हजार के बड़े मार्जिन से जीते थे। हालांकि इस बार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कड़ी टक्कर दी, जिसकी वजह से हार जीत का आंकड़ा डेढ़ लाख पर ही सिमट कर रह गया। लोकसभा चुनाव 2024 में नरेंद्र मोदी को 6 लाख 14 हजार वोटों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर अजय राय को 4 लाख 60 हजार वोट मिले।

लोकसभा चुनाव नतीजों पर बोले राहुल गांधी...

अब देश को चलाने के लिए मोदी-शाह की जरूरत नहीं

■ कहा- इंडिया गठबंधन ने हिंदुस्तान को दिया एक नया विजन

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव नतीजों को लेकर मंगलवार को कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों पर कहा कि संदेश स्पष्ट है, देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि ये चुनाव इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदुस्तान के इंस्टीटूशन, जांच एजेंसियां, न्याय पालिका के खिलाफ लड़ी है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने इन सभी को कैप्चर किया डराया, धमकाया, प्रेस को भी दबाने की कोशिश की। ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। जब मोदी सरकार ने हमारे बैंक खाते को सीज किया, पार्टियां तोड़ी, सीएम को जेल में डाला, तब मेरे दिमाग में था कि जनता को संविधान के लिए एक साथ लड़ना होगा और हुआ भी वही, इसके लिए मैं देश की जनता का धन्यवाद देता हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए ये जनता ने पहला कदम बढ़ा दिया है। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के दलों का समर्थन किया। जहां भी हम लड़े एक होकर लड़े। कांग्रेस ने क्लेरिटी से हिंदुस्तान को नया विजन दे दिया है। देश ने नरेंद्र मोदी को साफ कह दिया है कि हम आपको नहीं चाहते है। देश ने ये कर दिखाया है। देश की जनता ने बता दिया कि जिस तरह से मोदी शाह देश को चला रहे हैं वो उन्हें पसंद नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि देश के संविधान को देश के गरीबों ने बचाया है। संविधान बचाने का काम हिंदुस्तान के सबसे गरीब लोगों ने किया। इसे मजदूर, किसान, दलित, आदिवासियों ने बचाया। उन्होंने इस संविधान को बचाया है। बहुत सारे लोग चुप रह गए थे, उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूं। कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी, हमने जो वादे किए हैं उसे पूरा करेंगे। राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड में से किस सीट को चुनेंगे, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी यह तय नहीं किया है। कौन सी सीट पर रहूंगा ये पूछकर तय करूंगा। सरकार बनाने की संभावनाएं को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि हम गठबंधन के हिस्सा हैं। उनके साथ अभी बातचीत नहीं हुई है। हमने चुनाव के बाद तय किया था कि पांच जून को बैठक होगी। बुधवार को हमारी बैठक होगी, उसी बैठक में हम तय करेंगे। राहुल गांधी ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि UP की जनता ने कमाल करके दिखा दिया है। उत्तर प्रदेश ने खतरा समझकर संविधान की रक्षा की है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई नेता मौजूद रहे।

चुनाव के नतीजे पीएम मोदी की नैतिक हार, लोकतंत्र की जीत: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव नतीजों पर कहा कि आज के नतीजे जनता के नतीजे हैं। यह जनता की जीत है। ये लड़ाई मोदी बनाम जनता है। हम विनम्रता के साथ जनमत का समर्थन करते हैं। सत्ताधारी दल भाजपा ने धर्म के आधार पर वोट मांगा। ये जनमत मोदी के खिलाफ है। ये उनकी बहुत बड़ी हार है और उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने प्रतिकूल हालात में चुनाव लड़ा। हमारे बैंक खाते सीज कर दिए। तमाम नेताओं को जेल में डाला। हमने महंगाई, बेरोजगारी और जनता की परेशानियों को लेकर वोट मांगा। हमने देश के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनाव लड़ा। खरगे ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो समेत दोनों यात्राएं असरदार साबित हुईं और वे लाखों लोगों से जुड़े। भाजपा ने गैरकानूनी तरीके से संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश की। जो दब गया, वो उनके साथ चला गया। ये चुनाव लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। खरगे ने कहा कि हमारा कैंपेन सकारात्मक था। हमें चुनाव के दौरान कई तरह के परेशान किया गया। देश की जनता ने हमारा साथ दिया। इसके लिए धन्यवाद। साथ ही मैं इंडिया ब्लॉक के साथियों का धन्यवाद करता हूं। सभी एक साथ रहें। अभी हमारी लडाई बाकी है। हम सबको मिलकर संविधान को बचाने के लिए, महिला सम्मान के लिए और देश को आगे लेकर जाने के लिए काम करता है। आने वाले दिन अहम होंगे। हम सब मिलकर बात करेंगे।

मोदी की विश्वसनीयता घटी: ममता

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि ये अत्याचार की हार है। नरेंद्र मोदी की विश्वसनीयता घटी है। भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं से आजादी छीन रही थी। आज भी जीतने के बाद हमारे कई प्रत्याशियों को सर्टिफिकेट नहीं दिए गए। मोदी को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं हुआ। मोदी का अहंकार चकनाचूर हुआ। हमें कई बार कम आंका जाता है।

मोदी की हार पर गिरते हैं अडाणी के शेयर

राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने हिंदुस्तान को एक नया विजन दे दिया है। मोदी की हार होती है तो अडाणी के शेयर गिरते हैं। इन दोनों का डायरेक्ट कनेक्शन है। इस चुनाव में मतदान करने वाले सभी लोगों पर मुझे गर्व है। हिंदुस्तान और संविधान को बचाने का काम सबसे गरीब लोगों ने किया है। कांग्रेस पार्टी उनके साथ हमेशा खड़ी है। हम सभी वादे पूरे करेंगे।

मोदी कैबिनेट में शामिल दिग्गजों को करना पड़ा हार का सामना

अपनी सीट भी नहीं बचा पाए कई दिग्गज मंत्री

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को जहां 50 से अधिक सीटों का नुकसान होता दिख रहा है, वहीं मोदी कैबिनेट में शामिल कई केंद्रीय मंत्री भी चुनाव हार गए हैं। इनमें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, वी मुरलीधरन, राजीव चंद्रशेखर, कैलाश चौधरी जैसे नेता शामिल हैं।

अमेठी से हारीं ईरानी

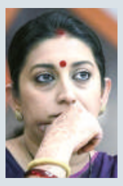

अमेठी लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हार का सामना करना पड़ा। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में ईरानी ने राहुल गांधी को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन इस बार कांग्रेस ने बदला पूरा कर लिया।

चंदौली से हारे केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडे

केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडे को यूपी की चंदौली लोकसभा सीट से हार झेलनी पड़ी। यहां से सपा उम्मीदवार बीरेंद्र सिंह ने 21,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की।

फतेहपुर से निरंजन ज्योति हारीं

मोदी मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री निरंजन ज्योति ने यूपी की फतेहपुर लोकसभा सीट से हार गई हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार नरेशचंद्र उत्तम पटेल ने 34,000 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

तिरुवनंतपुरम से हारे राजीव चंद्रशेखर

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर को कड़ी टक्कर दी, लेकिन थरूर भारी पड़े और 16,077 के अंतर से जीत हासिल की।

अत्तिंगल से हारे वी मुरलीधरन

केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन को केरल की अत्तिंगल लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा। यहां से कांग्रेस के अदूर प्रकाश से विजयी हुई। मुरलीधरन तीसरे स्थान रहे। दूसरे स्थान पर सीपीएम के वी जॉय रहे।

बांकुरा से सुभाष सरकार हारे

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार भी चुनाव हार गए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की बांकुरा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन टीएमसी के अरूप चक्रवर्ती उन पर भारी पड़ गए। चक्रवर्ती ने 32,778 मतों के अतंर से जीत दर्ज की।

खूंटी सीट से हारे अर्जुन मुंडा

लोकसभा चुनाव में बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को भी खूंटी सीट से हार का सामना करना पड़। कांग्रेस उम्मीदवार और झारखंड के सबसे प्रभावशाली आदिवासी नेताओं में से एक मुचिराई मुंडा के बेटे काली चरण मुंडा को 463219 वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी के अर्जुन मुंडा को 334878 वोट मिले। 2019 के चुनाव में भी अर्जुन मुंडा को कालीचरण से कड़ी टक्कर मिली थी।

बाड़मेर से हारे कैलाश चौधरी

मोदी सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी को भी बाड़मेर में हार का मुंह देखना पड़ा। इस सीट पर उन्हें कांग्रेस के उम्मीदवार उम्मेदराम बेनीवाल ने हराया है। कांग्रेस उम्मीदवार को 6,97,447 वोट मिले, वहीं दूसरे नंबर पर निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी को कुल 5,75,927 वोट मिले। केंद्रीय मंत्री उतीसरे नंबर पर रहे, जिन्हें कुल 2,84,077 वोट मिले। वो 4,13,370 वोटों से पीछे रहे।

BJP अपने दम पर नहीं छू पाई जादुई आंकड़ा

भाजपा का 'अबकी बार 400 पार' का नारा हुआ धराशायी

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'अबकी बार 400 पार' का नारा धराशायी हो चुका है। बस गनीमत ये रही कि 20 साल बाद बीजेपी और एनडीए के लिए 'फील गुड' और 'इंडिया शाइनिंग' मोमेंट दोहराते-दोहराते बच गया। रुझानों में एनडीए को बहुमत तो मिलता दिख रहा है, लेकिन बीजेपी 272 के जादुई आंकड़े से पीछे रहती दिख रही है।

ये तब है जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का बीजेपी का एजेंडा पूरा हो चुका है। जब आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष

दर्जे को खत्म करने का बीजेपी का वादा पूरा हो चुका है। अगर ये रुझान नतीजे में तब्दील होते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का करिश्मा तो कर सकते हैं, लेकिन बिना गठबंधन की बैसाखी के सहारे ये मुमकिन नहीं।

बीजेपी के पूर्ण बहुमत से चूकने के बाद अगर वह गठबंधन के तहत तीसरी बार सरकार बनाते हैं तो उन्हें जेडीयू चीफ नीतीश कुमार और टीडीपी मुखिया चंद्रबाबू नायडू के रहमोकरम पर रहना होगा। इंडिया गठबंधन की तरफ से नीतीश कुमार को डेप्युटी पीएम पद ऑफर किए जाने की भी चर्चाएं चल रही हैं। नायडू को लुभाने की भी कोशिशें चल रही हैं।

राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

यूपी के अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद ये पहला लोकसभा चुनाव था। सदियों के इंतजार के बाद मंदिर निर्माण का सपना पूरा हुआ। 22 जनवरी को धूमधाम से प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। उस वक्त यूपी समेत देशभर में जिस तरह का माहौल था, उससे बीजेपी को फायदे की उम्मीद थी, पार्टी चुनाव के दौरान भी मंदिर निर्माण का श्रेय लेने की लगातार कोशिश करती रही। इसके बावजूद यूपी में बीजेपी को तगड़ा नुकसान हुआ। रुझानों को देखकर लग रहा कि राम मंदिर निर्माण का बीजेपी को फायदा नहीं पहुंचा। यहां तक कि जिस फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत अयोध्या आती है, वहीं से बीजेपी का उम्मीदवार हार गया।

पसमांदा कार्ड फेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल के बाद से ही मुस्लिमों को बीजेपी की तरफ आकर्षित करने की हर मुमकिन कोशिश करते रहे। मोदी सरकार की तरफ से चलाई जा रहीं वेलफेयर स्कीम्स का सबसे ज्यादा फायदा मुस्लिमों को मिला, जिसका खुद बीजेपी के नेताओं ने भी खूब प्रचार किया। पसमांदा मुस्लिमों को लुभाने के लिए विशेष अभियान चलाया, लेकिन बीजेपी का ये कार्ड बुरी तरह फ्लॉप रहा है, खासकर यूपी में।

नहीं चली 'मोदी की गारंटी'

एक तरफ विपक्षी गठबंधन ने लोकलुभावन वादे किए तो दूसरी तरफ बीजेपी 'मोदी की गारंटी' पर निर्भर रही जो इस बार शायद उतनी नहीं चली। जमीन पर 10 साल का सत्ताविरोधी रुझान भी रहा, जिसे भांपने में भाजपा नाकाम रही। भाजपा के मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में शानदार प्रदर्शन और यहां तक कि केरल में भी पहली बार खाता खुलने के बावजूद उसकी सीटें पिछली बार से कम रही। यूपी, राजस्थान, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में उसे नुकसान हुआ। हरियाणा में इस बार बीजेपी 'परफेक्ट 26' का करिश्मा नहीं दोहरा पाई।

चुनाव परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में पीएम मोदी का संबोधन, कहा...

'तीसरे कार्यकाल में बड़े फैसलों का लिखेंगे एक नया अध्याय'

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में अपने संबोधन की शुरुआज 'जय जगन्नाथ' से की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है तो पार्टी ने ओडिशा विधानसभा चुनावों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। पीएम मोदी ने इस जीत को विकसित भारत के प्रण की जीत बताया और कहा कि देश बड़े फैसलों का नया अध्याय लिखेगा और यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि इस जनादेश के सामने मैं नतमस्तक हूं। मां के जाने के बाद ये मेरा पहला चुनाव है, लेकिन देश की बहन-बेटियों ने मेरी मां की कमी खलने नहीं दी।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ओडिशा में सरकार बनाने जा रही है और लोकसभा चुनाव में भी पार्टी ने ओडिशा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह पहली बार होगा जब महाप्रभु जगन्नाथ की धरती पर भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केरल में भी एक सीट जीती है, हमारे केरल के कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान दिए हैं। कई पीढ़ियों से वे संघर्ष करते रहे और पीढ़ियों से जिस पल का इंतजार किया वह आज आ गया है।

1962 के बाद मिला ऐसा जनादेश

पीएम मोदी ने कहा कि इस जनादेश के कई पहलू हैं, 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार आई है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार जो आशीर्वाद एनडीए को मिला है, मैं उसके सामने विनय भाव से नतमस्तक हूं। उन्होंने कहा कि अगर आप (देशवासी) 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 18 घंटे काम करेगा, आप दो कदम चलेंगे तो मोदी चार कदम चलेगा। हम भारतीय मिलकर चलेंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्यों में जहां भी विधानसभा चुनाव हुए हैं, वहां एनडीए को भव्य विजय मिली है। चाहे अरुणाचल प्रदेश हो, ओडिशा हो, आंध्र प्रदेश हो या फिर सिक्किम। इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हमारी संख्या दोगुनी हो गई है। मध्यप्रदेश, दिल्ली, गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल में हमने लगभग क्लीन स्वीप किया है। हमारे विरोधी एकजुट होकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेले बीजेपी ने जीती है। उन्होंने कहा कि हमने आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया है। बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व में हमें सफलता मिली है।

सेवा भाव से बड़ी कोई राजनीति नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि सेवा भाव से बड़ी राजनीति कोई नहीं हो सकती है, इसलिए हमें सेवा भाव को सर्वोपरि रखने की परंपरा को निरंतर मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में महिलाओं के वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूट गए। पिछले दस साल में कई बड़े फैसले लिए गए। हमने दुनिया की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना चलाई। उन्होंने कहा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक की देश का डिफेंस सेक्टर आत्मनिर्भर नहीं हो जाता।

भाजपा बड़ी जीत

ओडिशा में 24 साल बाद पटनायक का राज खत्म... BJP ने रचा इतिहास

एजेंसी | भुवनेश्वर

ओडिशा में भाजपा बड़ी जीत की तरफ आगे बढ़ रही है। भाजपा ने बड़ी बढ़त हासिल की है और 60 से अधिक सीटों को अपने नाम कर चुकी है। भाजपा राज्य में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। भाजपा की जीत के साथ ही पटनायक का देश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बनने का सपना टूट गया है। यह रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के पास है।

नवीन पटनायक ने राजनीति में कदम रखते ही अपना पहला चुनाव अस्का निर्वाचन क्षेत्र से जीता और 1998 और 1999 में दो बार उस निर्वाचन क्षेत्र से सांसद बने। उन्होंने 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनाव सहित हिन्जिली से छह बार जीत हासिल की है। बीजद ने 40 से अधिक सीटें जीतीं, लेकिन उसके विपक्ष में बैठने की संभावना है, क्योंकि भाजपा ने राज्य में जीत हासिल कर इतिहास रच दिया है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की कांटाबांजी सीट से हार हुई है। बीजू जनता दल (बीजद) सुप्रीमो पटनायक इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लक्ष्मण बाग से चुनाव हार गए हैं। यह पहली बार है जब नवीन पटनायक को चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। 1998 से अब तक उन्होंने हर चुनाव जीता है। हालांकि, उन्होंने हिन्जिली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के शिशिर कुमार मिश्रा को हराकर जीत हासिल की है।

लोकसभा के साथ ही हुए विधानसभा चुनाव

लोकसभा चुनाव के साथ-साथ ओडिशा विधानसभा के भी चुनाव हुए थे। राज्य विधानसभा में कुल 147 सीटें हैं। इसमें भाजपा को 77 सीटों पर जीत मिलती दिख रही हैं। पटनायक की पार्टी बीजद को 52 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। कांग्रेस 14 सीट जीतती दिख रही है।

लोकसभा चुनाव: 148 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

दिल्ली में एक बार फिर नहीं खुला तीसरे दल का खाता

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा और आईएनडीआईए (कांग्रेस व आम आदमी पार्टी) के प्रत्याशियों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में भाजपा न सिर्फ भारी पड़ी बल्कि राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप किया। भाजपा और प्रतिद्वंदी आईएनडीआईए प्रत्याशियों के अलावा अन्य दलों के एक भी उम्मीदवार और निर्दलीय अपनी जमानत नहीं बचा पाए। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के सातों उम्मीदवारों सहित 148 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। खास बात यह कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन होने के बावजूद इस बार भी दिल्ली में किसी तीसरे दल का खाता नहीं खुल पाया।

35 वर्षों में तीसरे दल को नहीं मिली सीट

दिल्ली में पिछले 35 वर्षों में किसी तीसरे दल को एक भी सीट नहीं मिली। इस दौरान पिछले दस वर्षों में दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए हुए तीन चुनावों का परिणाम एकतरफा ही रहा है। बाकी चुनावों में भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी ही चुनाव जीत पाए थे।

इंदौर में लालवानी ने बनाया रिकॉर्ड... शिवराज सिंह आठ लाख वोटों से जीते

MP में भाजपा का क्लीन स्वीप, दिग्विजय हारे

एजेंसी | भोपाल

भाजपा ने मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटें जीतकर क्लीन स्वीप कर लिया है। विपक्षी खेमे को एक भी सीट हासिल नहीं हुई। पिछले आम चुनाव में 28 सीटें जीतने वाली बीजेपी ने इस बार बची छिंदवाड़ा सीट को भी अपने कब्जे में ले लिया है। मध्य प्रदेश के विदिशा से भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने आठ लाख से ज्यादा वोट से जीत दर्ज की। कांग्रेस के टिकट पर दूसरी बार लोकसभा चुनाव में उतरे कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ बीजेपी के विवेक बंटी साहू से एक लाख से ज्यादा वोटों से हार गए। वहीं, गुना में पिछली बार हारने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस बार तगड़ी वापसी की है। बीजेपी उम्मीदवार सिंधिया ने यह सीट करीब 5.35 लाख से ज्यादा वोटों से जीत ली है, वहीं विदिशा से शिवराज सिंह चौहान और खजुराहो से वीडी शर्मा ने भी बड़े अंतर से जीत हासिल की है। इसके अलावा इंदौर से बीजेपी के शंकर लालवानी ने 10 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज कर रिकॉर्ड बना दिया है। बीजेपी ने सभी 29 और कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में 27 सीटों पर चुनाव लड़ा था। गौरतलब है कि इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन नाम वापस लेकर बीजेपी का दामन थाम लिया था, जबकि खजुराहो सीट गठबंधन धर्म के तहत कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को दी थी। सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त हो गया था। फिर कांग्रेस ने आरबी प्रजापति को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था, मगर प्रजापति तीसरे नंबर पर रहे। चुनाव आयोग के अनुसार, मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर चार चरणों में 66.87 फीसदी मतदान हुआ। इसमें पुरुषों का प्रतिशत 69.36 और महिला मतदाताओं का आंकड़ा 64.24% दर्ज किया गया।

गांधीनगर से शाह रिकॉर्ड मतों से जीते

गुजरात में BJP की बंपर जीत, कांग्रेस को 10 साल बाद एक सीट

एजेंसी | अहमदाबाद

लोकसभा चुनावों बीजेपी को दोहरा झटका लगा है। बीजेपी जहां केंद्र में अपने बूते पर बहुमत नहीं जुटा पाई है तो वहीं दूसरी ओर बीजेपी को अपने गढ़ गुजरात में भी झटका लगा है। बीजेपी राज्य में सभी 26 सीटों जीत कर हैट्रिक नहीं लगा पाई है। कांग्रेस ने बीजेपी को कई सीटों पर कड़ी टक्कर देते हुए बनासकांठा की सीट छीन ली है। यहां से कांग्रेस की इकलौती महिला विधायक गेनीबेन ठाकोर विजयी घोषित हुई है, हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गांधीनगर से रिकॉर्ड मतों से जीते हैं।

एक दशक बाद कांग्रेस को मिली पहली सीट

गुजरात में कांग्रेस पार्टी को एक दशक बाद एक मिली है। पिछले दो लोकसभा चुनावों से यहां सभी सीटें बीजेपी जीतती आ रही थी। 2014 में बनासकांठा सीट हरिभाई परथीभाई चौधरी ने जीती थी, जबकि 2019 के चुनावों में ये सीट बीजेपी के ही एक अन्य नेता परबतभाई पटेल के खाते में चली गई। पटेल को 679,108 वोट मिले थे, जबकि रेखा चौधरी को 507,856 वोट मिले थे। 2009 में कांग्रेस ने गुजरात में 26 में से 11 और BJP ने 14 सीटें जीती थीं।

छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में से 10 बीजेपी के खाते में

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से 10 में बीजेपी और सिर्फ 1 सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है। बीजेपी ने रायगढ़ और सरगुजा सीट पर परचम लहराया है। रायगढ़ से राधेश्याम राठिया और सरगुजा से चिंतामणि महाराज ने जीत हासिल कर ली है। रायपुर से मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने भी जीत हासिल कर ली है। हाईप्रोफाइल सीट दुर्ग में भी बीजेपी के विजय बघेल ने जीत हासिल की, वहीं बस्तर से कांग्रेस से दिग्गज नेता कवासी लखमा को हार का सामना करना पड़ा। यहां से बीजेपी के महेश कश्यप ने जीत हासिल की। महासमुंद से भाजपा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी और जांजगीर-चांपा से कमलेश जांगड़े ने जीत हासिल की तो वहीं कांकेर सीट से भोजराज नाग, बिलासपुर से तोखन साहू ने जीत हासिल की। लंबे इतजार के बाद कांग्रेस का भी खाता आखिरकार खुल गया है। कोरबा सीट पर कांग्रेस की ज्योत्सना महंत ने जीत हासिल की।

बीजेपी को मिली 25 सीटों पर जीत

2024 लोकसभा चुनावों में बीजेपी गुजरात में 25 सीटों जीत पाई है। इनमें सूरत लोकसभा सीट शामिल हैं। इस सीट पर बीजेपी निर्विरोध जीत मिली थी। ऐसे में बीजेपी ने एक सीट निर्विरोध और 24 सीटें पोलिंग के बाद जीती हैं। कांग्रेस को एकमात्र बनासकांठा सीट पर कांग्रेस की विधायक गेनीबेन ठाकोर ने जीत हासिल की है। आम आदमी पार्टी के दोनों प्रत्याशी हार गए। इंडिया गठबंधन में आप को भरूच और भावनगर की सीटें मिली थीं।

21 तक चलेगा सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर

कला की बारीकियों से रूबरू हो रहे युवा

बेधड़क.जयपुर। सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर में युवाओं को पारंपरिक भारतीय कलाओं की बारीकियों से रु-ब-रु कराया गया तो वे रोमांचित हो उठे। सिटी पैलेस में एक माह के सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में युवा पहुंच रहे हैं। शिविर का उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारत की संस्कृति, समृद्ध कला व शिल्प से परिचित कराना है। शिविर का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की ओर से पारंपरिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था 'रंगरीत' तथा 'सरस्वती कला केन्द्र' के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर 21 जून तक आयोजित होगा।

कला-संस्कृति का दायरा बढ़ाना है

संग्रहालय व ट्रस्ट निदेशक वैभव चौहान ने बताया, कि शिविर पारंपरिक कला व संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि 26 वर्षों से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष पहली बार प्रतिभागियों को प्रशिक्षक ब्रजमोहन खत्री द्वारा वैदिक ज्योतिष से परिचित कराया जा रहा है। शिविर के दौरान दौलत सिंह द्वारा प्रतिभागियों को शहर के स्मारक जंतर-मंतर का भ्रमण कराया गया। इससे की उन्हें जंतर-मंतर के इतिहास और उससे जुड़े तथ्यों के बारे में ज्ञान हासिल हो सके।

ये विशेषज्ञ दे रहे हैं प्रशिक्षण

शिविर का समन्वय रामू रामदेव द्वारा किया जा रहा है, जो बाबूलाल मारोटिया के साथ 'पारंपरिक चित्रकला' के गुर सिखा रहे हैं। डॉ. मधुभट्ट तैलंग 'ध्रुवपद' कार्यशाला का संचालन कर रही हैं तो वहीं डॉ. नाथूलाल वर्मा 'आराईश (फ्रेस्को)' की बारीकियां सिखा रहे हैं। इसी प्रकार डॉ. ज्योति भारती गोस्वामी 'कथक व लोक नृत्य' कार्यशाला का संचालन कर रहीं हैं। आर.डी. गौड़ छात्रों को 'बांसुरी' सिखा रहे हैं तो लक्ष्मी नारायण कुमावत 'मांडना' और अशोक 'कैलीग्राफी' का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

मेडल मिले तो खिले चेहरे

बेधड़क. जयपुर। मेहनत के बाद जब मैडल हाथ में आए तो उत्साह सातवें आसमां पर था। मौका था विधायक कालीचरण सराफ के हाथों नेशनल कराटे में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मान का। इस मौके पर उनको प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया। सैंगो काई कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया वर्ल्ड जापान की ओर से आयोजित कराटे चैंपियनशिप में सैंगो काई कराटे जयपुर में राहा मेमोरियल के मास्टर संसेई निर्मल बोहरा को चार डेन ब्लेक बेल्ट होल्डर का रेंक मिला है। साथ ही कृष्ण बिकं 4 डेन, मोहन श्रेष्ठ 3 डेन और सृष्टि 2 डेन रहे। इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिन्होंने मैडल पाने वाले खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

जयपुराइट्स ने किया श्रमदान

बेधड़क. जयपुर। टीम 10 ट्री एंबुलेंस ने मंगलवार को विद्याधर नगर के सेक्टर 7 में पीएस पैरेडाइज से ज्ञानज्योति स्कूल की ओर जाने वाली रोड साइड ग्रीन बेल्ट में पौधारोपण किया। साथ ही टीम ने श्रमदान करते हुए साफ-सफाई भी की। एक ग्रुप ने दीवारों और रेलिंग पर रंग कॉलोनी के बड़े लोहे के गेट पर ऑयल पेंट किया। साथ ही सीमेंट की बेंच पर ऑयल पैंट किया गया। गर्मी को देखते हुए पेड़-पौधों में बड़े टैंकर्स से पानी डाला गया और विद्याधर नगर की विभिन्न गलियों से मलवा उठाया गया।

गूंजेंगे शान्तिनाथ के जयकारे

बेधड़क. जयपुर। विश्व शांति प्रदायक जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के तीन कल्याणक जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक बुधवार को मनाए जाएंगें। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के आयोजन होंगे। सुबह शांतिनाथ भगवान के जलाभिषेक व पंचामृत अभिषेक होंगे। इसके बाद विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा होगी। अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए जन्म, तप कल्याणक के अर्घ्य चढ़ाए जाएंगे। तत्पश्चात निर्वाणोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन के बाद मोक्ष कल्याणक का अर्घ्य व निर्वाण लाडू चढ़ाय जाएगा।

City इवेंट्स

हेयर स्टाइल पर युवाओं को दिए टिप्स

बेधड़क. जयपुर। युवाओं का टशन हेयर स्टाइल जब एक्सपर्ट ने सिखाया तो वे रोमांचित हो उठे। मौका था हेयर स्टाइलिस्ट शानो हंसपाल हकीम से जयपुराइट्स के इंटरेक्शन का। इस दौरान विशेषज्ञ ने टिप्स दिए। टी एंड टॉक सेशन में बदलते ट्रेंड्स पर चर्चा की गई तो सेलेब्रिटीज के स्टाइल स्टेटमेंट्स पर युवाओं ने बात करते हुए उसे विस्तार से समझा।

बच्चों के लिए विशेष प्रस्तुति आज

बेधड़क. जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की सीख देने और उन्हें प्रकृति से जोड़ने के लिए जवाहर कला केन्द्र में बुधवार सुबह 10:30 बजे रंगायन में लघु नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। केन्द्र की ओर से जारी जूनियर समर कैम्प में रंगमंच के प्रशिक्षकों ने विशेषतौर पर कैम्प के प्रतिभागी बच्चों के लिए 'कहां जाएं पेड़' नाटक तैयार किया है। हास्य, व्यंग्य से भरी प्रस्तुति में कैम्प के प्रतिभागी बच्चे हिस्सा ले सकेंगे।

वरुण धवन पेरेंट्स कैटेगरी में शामिल

बेधड़क. जयपुर। बॉलीवुड के चुलबुले स्टार वरुण धवन भी अब पेरेंट्स कैटेगरी में शामिल हो गए हैं, क्योंकि वे बेटी के पेरेंट्स बने हैं। वरुण धवन और नताशा बेटी के आने से बहुत खुश हैं। इस मौके पर कई बॉलीवुड स्टार्स और डायरेक्टर्स ने उनको बधाई दी। इस मौके पर पूरा परिवार अस्पताल पहुंचा और वरुण को बधाई दी। वरुण के पिता डेविड धवन ने फोटोग्राफर्स को खूब पोज देते हुए खुशी भी जाहिर की।

पॉलिटिक्स करने के आरोप लगाए

'पंचायत' के विधायकजी ने एक्टर पंकज त्रिपाठी पर साधा निशाना

बेधड़क | जयपुर

'पंचायत' फेम एक्टर पंकज झा ने बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी पर निशाना साधा है। उन्होंने इशारों ही इशारों में एक्टर पर पॉलिटिक्स करने के आरोप लगाए हैं। झा का कहना है कि इंडस्ट्री में कई एक्टर्स ऐसे हैं जो दूसरे एक्टर्स का काम छीनकर अपने स्ट्रगल को ग्लैमराइज करते हैं।

डिजिटल कमेंट्री को दिए एक इंटरव्यू में जब पंकज से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के रोल को लेकर उनके साथ पॉलिटिक्स हुई थी? इसके जवाब में झा ने कहा, 'अगर मेरे पीठ पीछे पॉलिटिक्स होती है तो मुझे फर्क नहीं पड़ता। जो किसी के पीठ पीछे राजनीति करते हैं वो अमूमन कायर ही होते हैं पर अगर सामने वाले का पॉलिटिक्स से मुझे हानि कर गया तो फिर पॉलिटिक्स करने वाला जीत गया ना।' इस वाकये को शेयर करते हुए झा ने बताया- 'मैं एक फिल्म की शूटिंग के लिए पटना गया था।

वहां मुझे मैसेज कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का मैसेज मिला कि वो मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में कास्ट करना चाहते हैं। मैं किसी और प्रोजेक्ट की शूटिंग करके दो दिनों पर वापस लौटा तो पता चला कि वासेपुर वाला रोल किसी और दे दिया गया है।'

वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे समिट में जुटे पर्यावरण प्रेमी

राजस्थान ने सैकड़ों साल पहले दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेधड़क | जयपुर

कुछ दशकों पहले राजस्थान का हर गांव पानी के मामले में आत्मनिर्भर था। विश्व को सीख देने वाले राजस्थानियों को पर्यावरण संरक्षण पर बात करनी पड़ रही है यह सोचने का विषय है। पीएचईडी व भूजल विभाग सचिव डॉ. समित शर्मा ने यह बात कही। वे राजस्थान आरईईसीसी की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस पर छठे वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे समिट में मुख्य अतिथि बात कर रहे थे। पद्मश्री जगदीश प्रसाद, पद्मश्री हुकुमचंद पाटीदार, आईएफएस पीके उपाध्याय, रिटा. आईएएस विपिन चंद्र शर्मा, डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने मंच साझा किया। आरईईसीसी डायरेक्टर वैभव भारद्वाज ने बताया कि आर्गेनिक खेती के लिए पद्मश्री हासिल करने वाले जगदीश प्रसाद और हुकुमचंद पाटीदार को राजस्थान पर्यावरण गौरव सम्मान से नवाजा गया। धर्मवीर सिंह, रीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर, शाहपुरा, सुरेश गुर्जर, रीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर, सवाई माधोपुर, उम्मेद सिंह, असिस्टेंट फॉरेस्ट, दौसा, रचना मित्तल, फॉरेस्ट गार्ड सवाई माधोपुर, वीरेन्द्र, फोरेस्ट गार्ड जयपुर, श्याम प्रताप राठौड़ सरपंच जालौर को एनवायरनमेंट एक्सीलेंसी पुरस्कार दिया गया।

उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण प्रमुख ने दी बधाई

क्लीन बीच कैंपेन में SI उमा ने लगाए 22 हजार पौधे

बेधड़क | जयपुर

वर्दी की जिम्मेदारी के साथ सामाजिक और पर्यावरण जिम्मेदारी भी निभाई तो हर कोई प्रभावित हो उठा। ये ही कारण है, कि जोश और जूनून के चलते सब इंस्पेक्टर उमा व्यास 22 हजार पेड़ लगा चुकी हैं। वे एक सामान्य किसान परिवार से हैं। उमा के संघर्ष और साहस का ही परिणाम है, कि कठिन परिश्रम कर पहले वे सरकारी अध्यापिका बनी और फिर पुलिस जॉइन की। उनके सहित तीन बहने पुलिस में हैं। उनके कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम प्रमुख एरिक सोलहेम ने वीडियो संदेश के जरिए बधाई दी।

कर रही हैं देश का दौरा

व्यास ने समुद्री तटों को बचाने के लिए क्लीन बीच कैंपेन चलाया। साथ ही विलुप्त होती पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों की प्रजातियों के संरक्षण को लेकर देश का दौरा कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट देखकर हुई प्रभावित

सामाजिक सरोकारों से गहरा लगाव रखने वाली उमा ने अध्यापिका रहते हुए सोशल मीडिया पर श्रीकल्पतरु संस्थान के कार्यों को देखा और संस्थान की कार्यकर्ता बन गईं। आज अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर सेवाएं दे रही हैं। बागमती नदी संरक्षण की बात हो या फिर कार्बन क्रेडिट को लेकर जन जागरूकता का अभियान हो उन्होंने संस्थान के वॉलियंटर के रूप में इंडो-नेपाल ग्रीन मिशन के तहत काठमांडू पहुंचकर भारत का नेतृत्व किया। वहां के केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से भेंट के दौरान जल, जंगल, जानवर और जमीन के संरक्षण को लेकर चर्चा की। उनके प्रयासों को देखते हुए केंद्रीय वन मंत्री ने देश में संस्थान को निशुल्क पौधे उपलब्ध कराने और सभी प्रकार से सहयोग करने के लिए आस्वस्थ किया।

हजारों साल पुरानी पद्दति अपनाई

उनकी लगन और सक्रियता को देखते हुए संस्थान के ग्रीन लंगस अभियान का ब्रांड एंबेसडर और कोऑर्डिनेटर बनाया गया। इसके तहत भारत की पांच हजार साल पुरानी पौधरोपण की तकनीक से जंगल लगाए जा रहे हैं। उमा इनका निरीक्षण करती है और संस्थान को जमीनी स्तर की जानकारी देती है। अभी तक इनके नेतृत्व में 22 हजार से अधिक पौधे लगाकर संरक्षित किए जा चुके हैं।

शक्ति का संतुलन बहुत जरूरी है, संसार में आग के लिए पानी का डर बने रहना चाहिए।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

मालदीव के बैन से भड़का इजराइल, अपने देश के नागरिकों को दी सलाह...

जहां PM मोदी गए... वहां ही घूमने जाएं

एजेंसी | यरूशलम

हिन्द महासागर में भारत के पड़ोसी द्वीपीय देश मालदीव ने एक दिन पहले ही इजराइली पासपोर्ट धारकों के अपने देश में प्रवेश करने पर पाबंदी लगा दी थी। इससे इजराइल भड़क गया है और अपने नागरिकों को सलाह दी है कि मालदीव का बहिष्कार करते हुए हिन्द महासागर में ही भारत के उन द्वीपों का भ्रमण करें, जहां पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जा चुके हैं। भारत में इजराइली दूतावास ने हिन्दी और अंग्रेजी में ट्वीट कर लोगों से कहा है कि कई ऐसे भारतीय समुद्र तट हैं, जो बेहद खूबसूरत हैं और वहां बेहद आदर सत्कार किया जाता है।

दूतावास के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया है, "जैसे कि मालदीव ने अब इजरायलियों के आने पर बैन लगा दिया हैं, नीचे दिए यह कुछ खूबसूरत और अद्भुत भारतीय समुद्र तट हैं जहाँ इजरायली पर्यटकों का हार्दिक स्वागत होता हैं और बेहद आदर सत्कार दिया जाता हैं। हमारे डिप्लोमेट्स द्वारा यात्रा की गई जगहों के आधार पर @IsraelinIndia के यह कुछ सुझाव हैं।" इसके साथ ही भारत के चार खूबसूरत समुद्र तटों की तस्वीर भी साझा की गई है।

जिन तटों की तस्वीर साझा की गई है, उनमें लक्षद्वीप, गोवा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और केरल के तट शामिल हैं।

गाजा हमलों के कारण मालदीव ने लिया इजराइल के खिलाफ फैसला

बता दें कि मालदीव सरकार ने इजराइली पासपोर्ट धारकों को हिंद महासागर द्वीपसमूह में प्रवेश करने से प्रतिबंधित करने के लिए कानूनों में संशोधन करने का रविवार को फैसला किया। यह फैसला गाजा पर इजराइली सेना द्वारा किए गए हमलों को लेकर मालदीव में बढ़ते जनाक्रोश के बीच लिया गया है। समाचार पोर्टल सन.एमवी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय में एक आपातकालीन प्रेस वार्ता में गृह मंत्री अली इहुसन ने इस फैसले की घोषणा की।

मालदीव जाते हैं 15 हजार इजराइली

इहुसन ने कहा, "मंत्रिमंडल ने इजराइली पासपोर्ट पर मालदीव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधन जल्द से जल्द करने का आज फैसला किया।" मंत्रिमंडल ने इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्रियों की एक विशेष समिति गठित की है। मालदीव में हर साल दस लाख से अधिक पर्यटक आते हैं।उनमें 15 हजार इजराइली शामिल हैं।

G7 ने सीजफायर के लिए हमास पर बनाया दबाव

गाजा में सेना को मिले 4 इजराइलियों के शव

एजेंसी | तेल अवीव

गाजा में पिछले आठ महीने से जारी जंग को रोकने के लिए दुनिया कई देश लगातार पहल कर रहे हैं। सीजफायर के प्रस्ताव को कभी हमास ठुकरा देता है, तो कभी इजराइल, लेकिन इस बार अमेरिका के पहल पर इजराइल की ओर से दिए गए युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए हमास पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। जी7 देशों के नेताओं ने हमास से कहा है कि वो इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तुरंत जंग को रोक दे।

जी7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश शामिल है। उनकी तरफ से एक संयुक्त बयान में कहा गया है, "हम ग्रुप ऑफ सेवन के नेता, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा तैयार कराए गए प्रस्ताव का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। इससे गाजा में तत्काल युद्ध विराम होगा और सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो पाएगा। गाजा में मानवीय सहायता में भी निरंतर वृद्धि होगी।'

इजराइली सेना का हमास पर आरोप

उधर, इजराइली सेना ने गाजा में चार बंधकों के शव मिलने का दावा किया है। 7 अक्टूबर को हमास ने इन सभी का अपहरण कर लिया था। उनकी कैद में इजरायली बंधकों की मौत हो गई। चारों की पहचान चैम पेरी (80), योराम मेट्ज़गर (80), अमीरम कूपर (84) और नादव पॉपलवेल (51) के रूप में हुई है।

इजराइल रोक नहीं रहा है हमले

अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों की तमाम कोशिशों के बावजूद इजराइल हमास पर हमले बंद नहीं कर रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि उनकी सेना हमास को खत्म किए बिना गाजा से वापस लौटने वाली नहीं है। उनका ये भी कहना है कि हमास से इजराइली बंधकों को वापस लाने की मुहिम पहले की तरह ही जारी रहेगी। इजरायल अपने लक्ष्य से पीछे हटने वाला नहीं है। वो जंग को जारी रखेगा। एक तरफ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर इस्लामिक देश गाजा में बेकसूर फिलिस्तीनियों को मारने का आरोप लगाते रहे हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने भी नेतन्याहू पर निर्दोष फिलिस्तीनियों की हत्या का आरोप लगाया है।

कम हो गए हैं सीरियल किलर, क्राइम नॉवेल लिखना मुश्किल...

एक लेखक का चौंकाने वाला दावा!

एजेंसी | बेंगलुरू

आ लंदन। क्या लेखन के लिए केवल कल्पना ही काफी है या घटनाएं भी प्रेरणाएं का काम करने के लिए जरूरी हैं। यह सवाल फिक्शन नॉवल यानी काल्पनिक उपन्यासों के बारे में ज्यादा पूछा जाता है, जिनमें अपराध संबंधी कहानियों के साथ रोमांटिक कथाओं की ज्यादा मांग होती है। गुजरते समय से संबंधित लिखे गए उपन्यास काफी सुर्खियां बटोरते हैं और लोगों में कौतूहल पैदा करते हैं। पर एक उपन्यास लेखक ने यह कह कर चौंका दिया है कि सीरियल हत्यारों की कमी की वजह से अच्छे उपन्यास लिखना मुश्किल होता जा रहा है।

लोकप्रियता हासिल करने के लिए बयान!

कहीं ऐसा तो नहीं है कि कोबेन का यह बयान लोकप्रियता हासिल करने के लिए कौतूहल पैदा करने की कोशिश है, लेकिन सीरियल किलर्स की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि बस इतना है कि अब किसी भी अपराधी का बच पाना वाकई मुश्किल है. हर किसी के पास फोन है, हर किसी पर नजर रखी जा रही है, हर जगह CCTV है।

आधुनिक पुलिसिंग भी बाधक!

मशहूर क्राइम राइटर हरलान कोबेन ऐसा ही मानते हैं अमेरिकी लेखक ने पागल हत्यारों के बारे में कई हिट रिलीज की हैं, जिन्हें फूल मी वन्स और द स्ट्रेंजर सहित टीवी ड्रामा में बदल दिया गया है, लेकिन उनका मानना है कि आधुनिक पुलिसिंग के कारण कहानियों के प्लॉट को यथार्थवादी बनाना मुश्किल होता जा रहा है। 62 वर्षीय कोबेन ने थिंक ट्वाइस नामक एक नया उपन्यास लिखा है।

अमेरिका में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान...

लाभान्वित देशों में भारत का नाम नहीं

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वीजा फ्री एंट्री का विस्तार किया है। इस नीति के तहत अब और ज्यादा देशों के नागरिकों को पर्यटन के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होगी।

इसके तहत सूची में शामिल देशों के नागरिक पर्यटन के उद्देश्य से अमेरिका में बिना वीजा के प्रवेश कर सकते हैं और 90 दिनों तक रह सकते हैं। वीजा छूट प्रोग्राम में नीतिगत परिवर्तनों का उद्देश्य अमेरिका में पर्यटकों के प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और प्रतीक्षा समय को कम करना है

अमेरिकी सरकार लास वेगास, न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स और अन्य सहित अपने कुछ सबसे लोकप्रिय गंतव्यों की यात्रा को बढ़ावा देना चाहती है, साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में लोगों की संख्या बढ़ाना चाहती है।

अमेरिका दुनिया भर के लोगों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है, जहां वन्यजीव पार्क से लेकर घाटियाँ, थीम पार्क से लेकर संग्रहालय, झील से लेकर झरने, समुद्र तट से लेकर द्वीप और बहुत कुछ है।

किन-किन देशों को मिली सुविधा

अमेरिका के वीजा मुक्त प्रवेश वाले देशों की सूची में नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, सैन मैरिनो, सिंगापुर, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, स्विटजरलैंड, ताइवान, यूनाइटेड किंगडम, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, ब्रुनेई, चिली, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजराइल, इटली, जापान, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, मोनाको, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl